वर्णमाला

स्वयं करके सीखो-

दो वर्णों के शब्द-

जल	कल
नर	तन
वर	रन
बस	गज

तीन वर्णों के शब्द-

रजत	पहर
जगत	मगर
शहर	रमन
जहर	गमन

चार वर्णों के शब्द-

अजगर	परमल
मलमल	तरकश
कलकल	सतलज
कटहल	मरघट

पुनरावृत्ति

अ आ

1. अक्षरों को मिलाओं और लिखो-

अजब	असर
अमर	अमन
अगर	अलग

2. स्वयं कीजिए।

इ ई

1. 'इ' की मात्रा वाले शब्द 'ई' की मात्रा वाले शब्द

दिन	बकरी
छिलका	कीमत
टिकट	मामी
विमान	मछली
मिठाई	कील

2. स्वयं कीजिए।

ए ऐ

1. स्वयं कीजिए

2. **ए=े** **ऐ=ै**

एक	ऐनक
बेर	बैर
पेन	खैर
बेल	रैन
सेर	चैन

ओ औ

1. स्वयं कीजिए।

2.

		ओ	औ
	फौजी		(✓)
	रसोई	(✓)	
	खिलौने		(✓)
	गोभी	(✓)	
	ढोलक	(✓)	
	दौलत		(✓)
	बोतल	(✓)	

अं अँ

1. स्वयं कीजिए।

2. अंदर, बूँद, तिरंगा, काँवर, चंचल, चाँदनी, संसार, पलंग, अंगूर, बाँस, अँगूठा, झाडियाँ।

3. मंडप, मंगल, मंडल, मंदिर।

- **पृष्ठ संख्या 16, 17, 18, 19, 20 व 21 स्वयं कीजिए।**

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

1. असर, अमर, अजब, अमन, अगर, अलग।

2.

		ओ	औ
	फौजी		(✓)
	रसोई	(✓)	
	खिलौने		(✓)

3. अंदर, बूँद, तिरंगा, काँवर, चंचल, चाँदनी।

4. 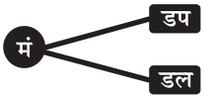

मंडप, मंडल

पाठ-1 बादल

खंड-अ

1. (क) बादल अपने साथ बरखा लाया।

(ख) काला-धोला बादल खुशियों का संदेशा लाया।

(ग) काला-धोला।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) ✓; (ख) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓

4.

काला-धोला	नाचा
रिमझिम	चहकी
चिड़िया	संगीत
मोर	बादल

5. (क) बादल काला-धोला था। वह अपने साथ बरखा लाया।

(ख) जंगल महका, चिड़िया चहकी, मोर नाचा, पपीहा ने गाना गाया।

(ग) मोर बादलों को देखकर खुश होता है।

(घ) वर्षा होने पर पपीहा गाने लगा।

6. (क) बादल; (ख) संगीत; (ग) बरखा; (घ) चिड़िया

7. (क) घन, जलद

(ख) वर्षा, बारिश

(ग) वन, अरण्य

(घ) मयूर, केकी

प	घ	न	व	न
व	म	यू	र	बा
र्षा	ज	ल	द	रि
पा	नी	के	की	श
अ	र	ण्य	र	द

8. (क) आज कई दिन के बाद **बादल** हटे थे।

(ख) राम ने जगदीश को **संदेशा** भेजा।

(ग) **मोर** वर्षा होते ही नाचने लगा।

(घ) अमित अपने जन्मदिन पर बहुत **नाचा**।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 लोमड़ी को देखते ही...

खंड-अ

1. (क) शेर की बगल में एक साँप कुँडली मारे सोया पड़ा था।

(ख) खरगोश ने शेर की पूँछ खींची।

(ग) खरगोश।

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) i

3. (क) ✗; (ख) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓

4. (क) खरगोश ने साँप को देखा।

(ख) खरगोश ने शेर की पूँछ खींचकर उसे जगाया और जान बचाई।

(ग) शेर खरगोश से बोला, ''तुम तो बहुत बहादुर हो यार। मुझसे दोस्ती करोगे? आज से हम दोनों पक्के दोस्त। आज से इस जंगल में कोई तुम्हें परेशान नहीं कर सकता। मज़े से बिना डर के रहो।''

(घ) खरगोश लोमड़ी को देखकर भाग गया।

(ङ) जंगल में एक लोमड़ी निकली। उसे देखते ही खरगोश रफूचक्कर हो गया। शेर ने यह देखा तो उसे बड़ा धक्का लगा।

5. (क) शेर लोमड़ी चीता **हिरन**

(ख) खरगोश हिरन **शेर** ज़िराफ

(ग) **कोयल** साँप केंचुआ छिपकली

(घ) शेर खरगोश **कौआ** हाथी

6.

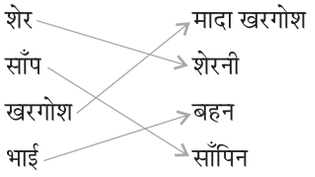

7. (क) साँप; (ख) जंगल; (ग) कुँडली; (घ) वहाँ (ङ) पूँछ; (च) मैं

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 अक्ल का तूंबा

खंड-अ

1. (क) ईरान के बादशाह ने अकबर को संदेश भिजवाया।

(ख) बीरबल को सौंपा गया।

(ग) बीरबल ने तीन ऐसे घड़े बनवाए जिनका मुँह बिलकुल सँकरा था और आकार काफी बड़ा।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) संदेश; (ख) बीरबल; (ग) सँकरा; (घ) बेवकूफी

4. (क) ईरान के बादशाह ने एक संदेश भिजवाया-सुना है आपके पास नवरत्न हैं। अगर थोड़ी-सी अक्ल भेज दें तो बड़ी कृपा होगी।

(ख) अक्ल भेजने का काम बीरबल को सौंपा गया।

(ग) घड़ों का मुँह सँकरा था और आकार काफी बड़ा था।

(घ) उसने बढ़िया किस्म का तूंबे को बीज मँगाकर उगाया। जब उसमें फल लग गए तो एक-एक फल उसमें डाल दिया। जब वे फल बढ़कर पूरा तूंबा बन गए तो बीरबल ने उन्हें काट लिया और घड़ों का मुँह बंद करके उन्हें ईरान के बादशाह के पास संदेश भिजवाया कि इन घड़ों से अक्ल निकाल लें और घड़े वापस भेज दें।

(ङ) ईरान का बादशाह अपनी बेवकूफी पर हँसा।

5. (क) पृथक; (ख) वृक्ष; (ग) तृण; (घ) अमृत

6. (क) ईरान; (ख) संदेश; (ग) कृपा; (घ) बादशाह

7.

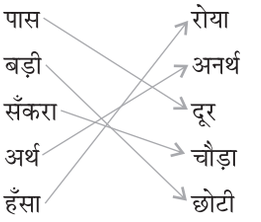

8. (क) घड़ा; (ख) बढ़िया; (ग) बीज

9. (क) **बादशाह** अकबर ने सिपाहियों को आदेश दिया।

(ख) आपका दिल **कृपा** का सागर है।

(ग) रमेश ने बहुत **बेवकूफी** की।

खंड (ब)

1. घड़ा लिया, 2. मिट्टी डाली, 3. खाद डाली, 4. बीज बोया, 5. पानी दिया।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

1. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii

2. (क) बादल; (ख) संगीत; (ग) बरखा; (घ) चिड़िया

3. (क) डरपोक; (ख) कच्चा; (ग) दुश्मन; (घ) पीछे

4. (क) **बादशाह** अकबर ने सिपाहियों को आदेश दिया।

(ख) आपका दिल **कृपा** का सागर है।

5. (क) बादल काला-धोला था। वह अपने साथ बरखा लाया।

(ख) जंगल में एक लोमड़ी निकली। उसे देखते ही खरगोश रफूचक्कर हो गया। शेर ने यह देखा तो उसे बड़ा धक्का लगा।

(ग) उसने बढ़िया किस्म का तूंबे को बीज मँगाकर उगाया। जब उसमें

फल लग गए तो एक-एक फल उसमें डाल दिया। जब वे फल बढ़कर पूरा तूंबा बन गए तो बीरबल ने उन्हें काट लिया और घड़ों का मुँह बंद करके उन्हें ईरान के बादशाह के पास संदेश भिजवाया कि इन घड़ों से अक्ल निकाल लें और घड़े वापस भेज दें।

(घ) ईरान का बादशाह अपनी बेवकूफी पर हँसा।

पाठ-4 बड़े वैद्य जी कहते हैं...

खंड-अ

1. (क) कविता में बिल्ली की शक्ल बनाने को कहा जा रहा है।

(ख) भूरे गुड़ से बनानी है।

(ग) पेट में चूहे दौड़ते रहते हैं।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) ii

3. (क) नाखून हों बादाम के लेकिन

(ख) पंजों में पिस्ता भरवाओ

(ग) सुबह एक और, एक शाम को

(घ) मुँह से म्याऊँ कर खा जाओ

4. (क) कवि खोए से एक बिल्ली बनाने को कह रहा है।

(ख) पेट भर जाएगा।

(ग) बहुत भूख लगना—मीरा के पेट में चूहे दौड़ पड़े।

5. (क) माल; (ख) राम; (ग) पूँछ; (घ) तना; (ङ) साथ; (च) गा

6. खाऊँ, गाऊँ, हसाऊँ, पहनाऊँ

7. (क) अक्ल; (ख) म्याऊँ; (ग) मस्त; (घ) वैद्य; (ङ) तत्व; (च) प्याज

खंड (ब)

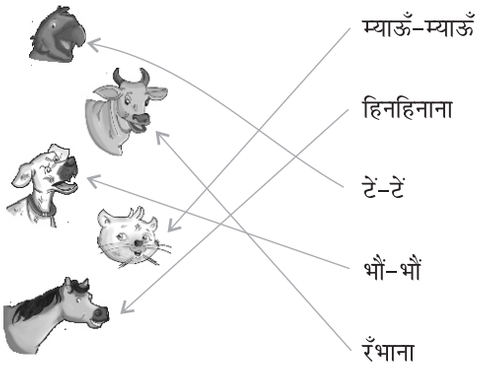

पाठ-5 गुरु आखिर गुरु होता है

खंड-अ

1. (क) परीक्षा से बचने के लिए उन्होंने एक योजना बनाई।

(ख) नहीं, गाड़ी में सच में पंक्चर नहीं हुआ था।

(ग) कुल दो प्रश्न थे।

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) योजना; (ख) आसानी; (ग) विद्यार्थियों; (घ) कमरों

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✗; (ङ) ✗

5. (क) वह देर तक मस्ती करते रहे और जब होश आया तो अगली सुबह होने वाली परीक्षा का भूत उनके सामने आकर खड़ा हो गया।

(ख) उन्होंने प्रिंसिपल साहब को बताया कि कल रात वे चारों एक दोस्त की शादी में गए हुए थे। लौटने में गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। किसी तरह धक्का लगा-लगाकर गाड़ी को यहाँ तक लाए हैं। इतनी थकान है कि बैठना भी संभव नहीं दिखता, पेपर हल करना तो दूर की बात है।

(ग) परीक्षा देने आए चारों विद्यार्थियों को प्रिंसिपल साहब ने बताया कि यह विशेष परीक्षा केवल उन चारों के लिए ही आयोजित की गई है। चारों को अलग-अलग कमरों में बैठना होगा।

(घ) जो प्रश्न-पत्र उन्हें दिया गया उसमें केवल दो ही प्रश्न थे—

प्रश्न 1. आपका नाम क्या है? (2 अंक)

प्रश्न 2. गाड़ी का कौन-सा टायर पंक्चर हुआ था? (98 अंक)

अ. अगला बायाँ ब. अगला दायाँ

स. पिछला बायाँ द. पिछला दायाँ

6. स्वयं कीजिए।

7. स्वयं कीजिए।

8.

क्ष	क्षत्रिय	क्षमता
त्र	त्रिदेव	त्रिकाल
ज्ञ	ज्ञानी	ज्ञाता
श्र	श्राप	श्रमिक

खंड (ब)

दो पहिये	तीन पहिये	चार पहिये
स्कूटर	रिक्शा	कार
साइकिल	ऑटो	बस
मोटरसाइकिल	ठेला	जीप

- परीक्षाएँ होनी चाहिएँ।
- प्रश्न-पत्र को अच्छी तरह से पढ़ लेना चाहिए और जो प्रश्न हमें आते हों उन्हें सबसे पहले ही कर लेना चाहिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-1

1. (क) नाखून हों बादाम के लेकिन

(ख) पंजों में पिस्ता भरवाओ

(ग) सुबह एक और, एक शाम को

(घ) मुँह से म्याऊँ कर खा जाओ

2. (क) बादल; (ख) रफूचक्कर; (ग) बीरबल; (घ) योजना

3. (क) ✗; (ख) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✗

4. (क) खरगोश ने शेर की पूँछ खींचकर उसे जगाया और जान बचाई।

(ख) अक्ल भेजने का काम बीरबल को सौंपा गया।

(ग) कवि खोए से एक बिल्ली बनाने को कह रहा है।

(घ) वह देर तक मस्ती करते रहे और जब होश आया तो अगली सुबह होने वाली परीक्षा का भूत उनके सामने आकर खड़ा हो गया।

(ङ) जो प्रश्न-पत्र उन्हें दिया गया उसमें केवल दो ही प्रश्न थे—

प्रश्न 1. आपका नाम क्या है? (2 अंक)

प्रश्न 2. गाड़ी का कौन-सा टायर पंक्चर हुआ था? (98 अंक)

अ. अगला बायाँ ब. अगला दायाँ

स. पिछला बायाँ द. पिछला दायाँ

पाठ-6 बाघ का बाप घाघ

खंड-अ

1. (क) गुफा बाघ की थी।

(ख) गुफा के अंदर कछुआ, साही, गधा और लोमड़ी थे।

(ग) लोमड़ी ने अपने आप को घाघ बताया।

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) वे सब एक गुफा में चले गए।

(ख) रात होने पर बाघ अपनी गुफा पर पहुँचा।

(ग) बाघ गुर्राया।

(घ) वे सब डर गए।

(ङ) लोमड़ी गुर्राई, मैं हूँ-''घाघ''।

(च) बाघ अब और भी डर गया।

(छ) गधा जोर से रेंकने लगा।

(ज) बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

(झ) चारों दोस्तों ने रातभर गुफा में आराम किया और अगले दिन वहाँ से चले गए।

4. (क) चारों मित्र एक गुफा में रुके।

(ख) एक बड़े-से पत्थर को लुढ़काकर उन्होंने गुफा का मुँह बंद कर दिया ताकि कोई और अंदर न आ सके।

(ग) लोमड़ी ने बाघ से कहा कि ''क्या मैं बाहर आकर तुम्हें खा जाऊँ?'' उसने साही के शरीर से एक काँटा निकालकर बाहर फेंक दिया और कहा कि यह मेरा बाल है तो बाघ डर गया।

(घ) लोमड़ी ने साही का एक काँटा गधे को चुभो दिया। गधा जोर-से रेंकने लगा। गधे की आवाज सुनकर बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

5.

बाघ	→	घर	→	रथ	→	थन	→	नर
रंक	→	कल	→	लग	→	गम	→	मर

6.

घड़ी छाता किताब कुर्सी

7. (क) **बाघ** मांसाहारी होता है।

बाग में से फूलों की महक आ रही है।

(ख) आज का **दिन** बहुत शुभ है।

अमन बहुत **दीन** है।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 घंटी और खाना

खंड-अ

1. (क) कुत्ता खाने की तलाश में घूम रहा था।

(ख) गाय के गले में घंटियाँ बँधी थीं।

(ग) मंदिर में भंडारा चल रहा था।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iv

3. (क) सब्जियाँ; (ख) घंटी; (ग) डाकिया; (घ) पानी-नाश्ता

4. (क) सबसे पहले वह सब्जीमंडी गया।

(ख) सब्जीवाले को लगा कि जब कुत्ता काटता है तो उससे पहले अपनी गर्दन हिलाता है।

(ग) गायें गर्दन हिलातीं और घंटी सुनकर लोग उन्हें खाना दे देते। उसे देखकर कुत्ता एक सब्जीवाले के पास गया और अपनी गर्दन हिलाने लगा।

(घ) उसने देखा कि लोग मंदिर की घंटी बजा रहे हैं और पुजारी उन्हें खाने का पैकेट दे रहा है।

5. (क) पुरुष; (ख) पुजारिन; (ग) कुतिया; (घ) बैल

6.

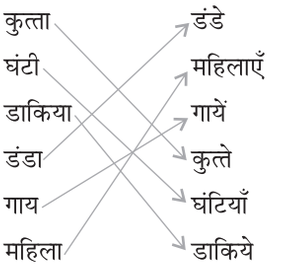

7. (क) आज **डाकिया** हमारे लिए खत लाया।

(ख) मैंने रमेश के घर **नाश्ता** किया।

(ग) बिल्ली ने कुर्सी से **छलाँग** लगाई।

खंड (ब)

दर्जी दूधिया कुम्हार किसान

लोहार जोहरी हलवाई सैनिक

आदर्श प्रश्न-पत्र-3

1. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

2. (क) **बाघ** मांसाहारी होता है।

(ख) **बाग** में से फूलों की महक आ रही है।

3. (क) पुरुष; (ख) मोरनी; (ग) कुतिया; (घ) बैल

4. (क) चारों मित्र एक गुफा में रुके।

(ख) लोमड़ी ने बाघ से कहा कि ''क्या मैं बाहर आकर तुम्हें खा जाऊँ?'' उसने साही के शरीर से एक काँटा निकालकर बाहर फेंक दिया और कहा कि यह मेरा बाल है तो बाघ डर गया।

(ग) लोमड़ी ने साही का एक काँटा गधे को चुभो दिया। गधा जोर-से रेंकने लगा। गधे की आवाज सुनकर बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

(घ) गायें गर्दन हिलातीं और घंटी सुनकर लोग उन्हें खाना दे देते। उसे देखकर कुत्ता एक सब्जीवाले के पास गया और अपनी गर्दन हिलाने लगा।

(ङ) लोमड़ी ने साही का एक काँटा गधे को चुभो दिया। गधा जोर-से रेंकने लगा। गधे की आवाज सुनकर बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

पाठ-8 धूप जनवरी की

खंड-अ

1. (क) कविता में दादा सूरज को कहा गया है।

(ख) भुनी हुई मूँगफली के स्वाद जैसी जनवरी की धूप लगती है।

(ग) स्वयं कीजिए।

2. (क) iv; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) बहुत तेज धूप होना।

(ख) भुनी हुई मूँगफली के स्वाद जैसी, माँ की गोदी और पापा के दुलार-सी।

(ग) जैसे हमें माँ की गोदी में बैठकर आराम मिलता है वैसे ही धूप में हमें आराम मिलता है।

4. **गर्मी**—हम गर्मियों के मौसम में सूती वस्त्र, पंखे, कूलर, ए.सी. आदि का प्रयोग करते हैं।

बरसात—हम बरसात के मौसम में छाता, रबड़ के जूते, बरसाती आदि का प्रयोग करते हैं।

सर्दी—सर्दियों में हम ऊनी कपड़े जैसे—स्वेटर, टोपी, दस्ताने, मोज़े आदि का प्रयोग करते हैं। ठंड से बचने के लिए आग जलाकर शरीर को सेंकते हैं।

5. (क) ज् + अ + न् + अ + व् + अ + र् + ई; (ख) म् + उ + ट् + ठ् + ई; (ग) द् + उ + ल् + आ + र् + अ

6.

सूरज	सूर्य
घर	गृह
दिन	वार
माँ	माता
पापा	पिता

7.

जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
मई	जून	जुलाई	अगस्त
सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर

खंड (ब)

- स्वयं कीजिए।
- हमें सर्दियों के मौसम में धूप इसलिए अच्छी लगती है क्योंकि धूप में हमें ठंड नहीं लगती। गर्मियों में इसलिए अच्छी नहीं लगती क्योंकि धूप में पसीना आता है।

पाठ-9 म्याऊँ और लोटा

खंड-अ

1. (क) म्याऊँ।

(ख) बिल्ली का बच्चा खा-खाकर मोटा हो गया।

(ग) बिल्ली माँ अपने बच्चे को समझाती थी।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) शरारती; (ख) रसोईघर; (ग) आवाज; (घ) आँखों; (ङ) बिल्ली

4. (क) बिल्ली के बच्चे ने लोटे में मुँह डाला। दूध नीचे था। उसने पूरा सिर अंदर डाल दिया। गप-गप-गप, सारा दूध पी गया।

(ख) म्याऊँ लोटे को पटकने लगा था क्योंकि उसका सिर फँस गया था।

(ग) उसने म्याऊँ को पकड़ा। बैठकर लोटा पाँवों के बीच में रख, म्याऊँ को खींचा। म्याऊँ का सिर बाहर निकल आया।

(घ) म्याऊँ की आँखों में आँसू थे।

5.

मोटा	पतला
भीतर	बाहर
ऊपर	नीचे

6. (क) मोहन दिन-प्रतिदिन **शरारती** होता जा रहा है।

(ख) मीरा रोज एक गिलास **दूध** पीती है।

(ग) अवनी को **हँसते-हँसते** पेट में दर्द हो गया।

(घ) चोर को उसकी **सजा** तो मिलनी ही थी।

7.

जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
मई	जून	जुलाई	अगस्त
सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर

खंड (ब)

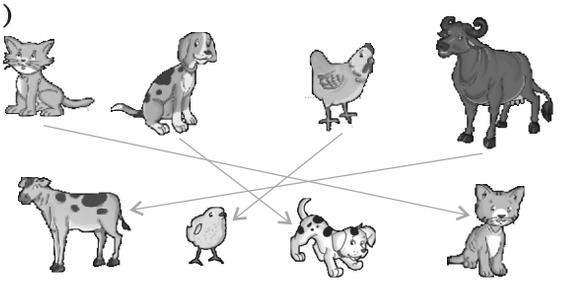

पाठ-10 चिंटू और चीनी

खंड-अ

1. (क) चिंटू और चीनी एकसाथ स्कूल आते-जाते थे।

(ख) वह बिस्कुट हो या नमकीन, पेस्ट्री हो या चॉकलेट, वह कुछ नहीं छोड़ता था। इसलिए माँ उसे डाँटती थी।

(ग) चीनी की तबीयत खराब हो गई थी।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii; (घ) ii

3. (क) चीनी सीधी-सादी थी, जबकि चिंटू को घर में रखी चीज़ें खाने की बहुत बुरी आदत थी।

(ख) एक दिन गुस्से में आकर माँ ने उस अलमारी का ही ताला लगा दिया जिसमें बिस्कुट आदि चीज़ें रखी हुई थीं।

(ग) जब चीनी की तबीयत कुछ ज्यादा बिगड़ने लगी तो उसने माँ को ऑफिस फोन किया और उन्हें चीनी की बिगड़ती हुई तबीयत के बारे में बताया।

(घ) माँ ने अलमारी का ताला इसलिए लगाया क्योंकि चिंटू बिस्कुट, नमकीन, पेस्ट्री और चॉकलेट सब खा जाता था।

4. (क) माँ ने सीता को एक चॉकलेट दी।

(ख) रोहन सकी अचानक तबीयत खराब हो गई।

(ग) पापा ऑफिस से जल्दी आ गए।

5. बिस्कुट, स्कूल, पेस्ट्री, चॉकलेट, ग्लूकोस, ऑफिस

खंड (ब)

- हमें चोरी नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह पाप है।
- चोरी करने से हमें सजा मिलती है।
- चोरी करने से कोई हम पर विश्वास नहीं करेगा और हम से कोई बात करना पसंद नहीं करेगा।

आदर्श प्रश्न-पत्र-4

1. (क) iv; (ख) ii; (ग) ii

2. (क) मोहन दिन-प्रतिदिन **शरारती** होता जा रहा है।

(ख) मीरा रोज एक गिलास **दूध** पीती है।

(ग) चोर को उसकी **सजा** तो मिलनी ही थी।

3.

मोटा	पतला
भीतर	बाहर
ऊपर	नीचे

4. (क) भुनी हुई मूँगफली के स्वाद जैसी, माँ की गोदी और पापा के दुलार-सी।

(ख) उसने म्याऊँ को पकड़ा। बैठकर लोटा पाँवों के बीच में रख, म्याऊँ को खींचा। म्याऊँ का सिर बाहर निकल आया।

(ग) म्याऊँ की आँखों में आँसू थे।

(घ) जब चीनी की तबीयत कुछ ज्यादा बिगड़ने लगी तो उसने माँ को ऑफिस फोन किया और उन्हें चीनी की बिगड़ती हुई तबीयत के बारे में बताया।

पाठ-11 जादुई कुएँ

खंड-अ

1. (क) राजा कृष्णदेव राय ने कुएँ बनाने का आदेश दिया।

(ख) गाँववालों ने गृहमंत्री की शिकायत तेनालीराम से की।

(ग) तेनालीराम की बात सुनकर दरबारी हँसने लगे।

2. (क) ii; (ख) ii

3. (क) राजा कृष्णदेव राय ने अपने गृहमंत्री को राज्य में अनेक कुएँ बनाने का आदेश दिया।

(ख) गाँववालों ने तेनालीराम से गृहमंत्री की शिकायत की क्योंकि राजधानी के आस-पास के अन्य स्थानों तथा गाँवों में कोई कुआँ नहीं था।

(ग) तेनालीराम कुछ गाँववालों को अपने साथ लाया जिनमें से एक गाँववाले ने राजा से नगर का निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने पाया कि राजधानी के आस-पास के अन्य स्थानों तथा गाँवों में कोई कुआँ नहीं है।

(घ) अंत में कुएँ बनाने की जिम्मेदारी तेनालीराम को सौंपी गई।

4. (क) आ + द् + ए + श् + अ; (ख) ग् + ऋ + ह् + अ + म् + अं + त्र् + ई; (ग) द् + अ + र् + अ + ब् + आ + र् + ई

5. (क) गाँव; (ख) गृहमंत्री; (ग) परंतु; (घ) हँसने; (ङ) कुएँ; (च) डाँटा

6.

सुख	दुख
अर्थ	अनर्थ
उपस्थित	अनुपस्थित
बाहर	अंदर

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 चूहा, जिसने लोहे की तराजू ही खा ली

खंड-अ

1. (क) वह बेहद सरल स्वभाव का और कोमल हृदय का था।

(ख) व्यापारी ने तराजू एक सेठ के पास रखी।

(ग) उसने कहा ''क्या बताऊँ भाई, तुम्हारी तराजू को तो चूहे खा गए।''

2. (क) iii; (ख) iii

3. (क) उसने अपनी तराजू को एक सेठ के पास धरोहर के रूप में रख दिया।

(ख) व्यापारी सेठ के लड़के को बहाने से पास ही की एक गुफा में ले गया। उसने लड़के को उस गुफा में छिपा दिया और गुफा का द्वार बंद कर दिया।

(ग) सेठ क्रोधित हो उठा और आग-बबूला होते हुए चिल्लाने लगा, ''तुम झूठ बोल रहे हो। तुम एक नंबर के धोखेबाज हो। कोई बाज इतने बड़े लड़के को उठाकर नहीं ले जा सकता है? यह असंभव है। तुम मेरे पुत्र को वापस ले आओ, वरना मैं राजा से तुम्हारी शिकायत करूँगा।''

(घ) उसने सेठ से कहा, ''तुम इसकी तराजू वापस कर दो, तुम्हें भी तुम्हारा पुत्र मिल जाएगा।''

4. (क) **दुर्भाग्य** में भी वह खुश रहती थी।

(ख) समय बहुत **मूल्यवान** होता है।

(ग) **क्रोधित** व्यक्ति कभी सफल नहीं हो सकता।

5. (क) कठोर; (ख) आसान; (ग) फायदा; (घ) ईमानदारी

6.

बहुवचन एकवचन बहुवचन एकवचन

खंड (ब)

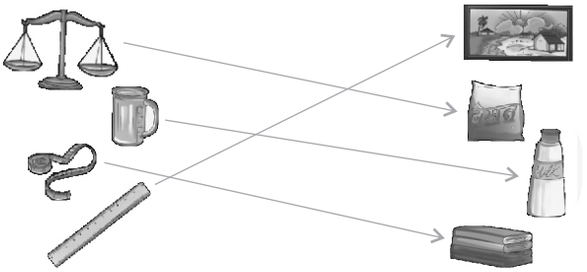

श्रेणीगत मूल्यांकन-2

1. (क) कठोर; (ख) आसान; (ग) फायदा; (घ) ईमानदारी
2. (क) सब्जियाँ; (ख) पानी-नाश्ता; (ग) गोदी; (घ) बिल्ली
3.

   बहुवचन एकवचन बहुवचन एकवचन

4. (क) भुनी हुई मूँगफली के स्वाद जैसी, माँ की गोदी और पापा के दुलार-सी।

   (ख) म्याऊँ की आँखों में आँसू थे।

   (ग) जब चीनी की तबीयत कुछ ज्यादा बिगड़ने लगी तो उसने माँ को ऑफिस फोन किया और उन्हें चीनी की बिगड़ती हुई तबीयत के बारे में बताया।

   (घ) तेनालीराम कुछ गाँववालों को अपने साथ लाया जिनमें से एक गाँववाले ने राजा से नगर का निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने पाया कि राजधानी के आस-पास के अन्य स्थानों तथा गाँवों में कोई कुआँ नहीं है।

   (ङ) व्यापारी सेठ के लड़के को बहाने से पास ही की एक गुफा में ले गया। उसने लड़के को उस गुफा में छिपा दिया और गुफा का द्वार बंद कर दिया।

   (च) उसने सेठ से कहा, ''तुम इसकी तराजू वापस कर दो, तुम्हें भी तुम्हारा पुत्र मिल जाएगा।''

BOOK-2

पाठ-1 आ गई बहार

खंड-अ

1. (क) चिड़ियाँ डाल-डाल पर चहकती हैं।

   (ख) बच्चे झूला झूल रहे हैं।

   (ग) बादल गरज रहे हैं।
2. (क) ii; (ख) iv; (ग) iii
3. रिमझिम-रिमझिम पड़ी फुहार

   सावन की आ गई बहार।

   लगे झूलने बच्चे झूले,

   लंबी पेंग बढ़ाकर फूले।

   सोंधी-सोंधी मिट्टी महके,

   डाल-डाल पर चिड़िया चहके।
4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓
5. (क) कविता के अनुसार बारिश आने पर रिमझिम-रिमझिम फुहार पड़ रही है। सावन की बहार आ गई है। बारिश से मिट्टी सोंधी-सोंधी महक रही है।

   (ख) गरमी बेहाल होकर भागी।

   (ग) पोखर-ताल बारिश से भर गए।

   (घ) स्वयं कीजिए।

   (ङ) मोर वन में नाचा।
6. (क) बहार; (ख) चहके; (ग) फूले; (घ) मोर
7. (क) जंगल, अरण्य; (ख) मयूर, मेहप्रिय; (ग) सरोवर, ताल
8. (क) पक्षी पेड़ की डाल पर बैठा है।

   जग में जल डाल दीजिए।

   (ख) लोमड़ी जंगल से भागी।

   कृष्णा का मित्र भी कृष्णा की शरारत में बराबर का भागी है।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 अनोखी तरकीब

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) चोरी; (ख) काजी; (ग) नौकरों, मित्रों; (घ) उँगली
4. व्यापारी शहर → के काजी के पास पहुँचा।

   उसने तुरंत छड़ी को → कर छड़ी देखने लगा।

   काजी एक-एक → जेल में डाल दिया गया।

   चोर को → एक उँगली के बराबर काट दिया।
5. (क) व्यापारी के यहाँ चोरी हो गई थी इसलिए व्यापारी काजी के पास गया।

   (ख) काजी ने व्यापारी के नौकरों और मित्रों को चोर का पता लगाने के लिए बुलाया।

   (ग) काजी ने व्यापारी के नौकरों और मित्रों को एक-एक छड़ी दी।

   (घ) सबको छड़ी देते समय काजी ने कहा कि छड़ी की खासियत यह है कि यह चोर के पास जाकर एक उँगली बड़ी हो जाती है।

   (ङ) बचने के लिए चोर ने अपनी छड़ी एक उँगली के बराबर काट दी।

   (च) चोर ने बचने के लिए अपनी छड़ी छोटी कर दी जिससे वह पकड़ा गया।

   (छ) सभी लोग काजी की अनोखी तरकीब की प्रशंसा कर रहे थे।
6. (क) एकवचन; (ख) बहुवचन; (ग) एकवचन; (घ) एकवचन
7. (क) गरीब; (ख) बढ़ती; (ग) गाँव; (घ) गुनाहगार; (ङ) शत्रु; (च) नई
8. (क) क्या तुम्हे अपने घर का पता याद है?

   पेड़ से पत्ता गिर गया।

(ख) राम और श्याम मित्र हैं।

यह रास्ता किस ओर जाता है?

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 चूहा डर गया

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii

3. (क) पेंसिल ने।

क्योंकि चूहा पेंसिल को कुतरना चाहता था।

चूहे से।

(ख) चूहे ने।

क्योंकि पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बना दिया था।

पेंसिल से।

4. (क) खाना ढूँढ़ते-ढूँढ़ते चूहे को एक पेंसिल मिली।

(ख) चूहे ने पेंसिल को कुतरना शुरू कर दिया।

(ग) पेंसिल को दर्द हो रहा था इसलिए उसने चूहे से एक आखिरी चित्र बनाने के लिए पूछा।

(घ) पेंसिल ने सबसे पहले एक गोला बनाया।

(ङ) चित्र बनाते-बनाते पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बना दिया था।

(च) बिल्ले का चित्र देखकर चूहा अपने बिल में घुस गया।

5. (क) चूहे को अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए कुछ न कुछ कुतरना पड़ता है इसलिए चूहा पेंसिल को कुतरना चाहता था।

(ख) खरगोश, गिलहरी।

(ग) पेंसिल ने चूहे से कहा कि मुझे कुतरने से पहले एक आखिरी चित्र बनाने दो।

(घ) पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बनाया।

(ङ) पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बनाया जिससे चूहा डरता है, इस कारण वह डरकर भाग गया।

(च) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें मुश्किल समय में भी बुद्धिमानी से कार्य करना चाहिए।

6. ढूँढ़, पेंसिल, दाँत, कहेंगे, उन्हें, अंदर, लंबी, मूँछ, मुँह

7. (क) प् + अ + न् + ई + र् + अ; (ख) प् + ऐ + न् + इ + स् + ल् + अ; (ग) ब् + इ + ल् + ल् + ई; (घ) अ + ज् + ई + ब + अ

8. (क) पेंसिलें; (ख) पत्ते; (ग) बिल्लियाँ; (घ) लकड़ियाँ

9. गिड़गिड़ाकर; चहचहाकर; घबराकर; पुकारकर; हिलाकर; मुस्कराकर

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

1. (क) iii; (ख) ii; (ग) ii

2. (क) पेंसिलें; (ख) पत्ते

3. (क) जंगल, अरण्य; (ख) मयूर, केकी

4. (क) क्या तुम्हें अपने घर का पता याद है?

पेड़ से पत्ता गिर गया।

(ख) राम और श्याम मित्र हैं।

यह रास्ता किस ओर जाता है?

5. (क) कविता के अनुसार बारिश आने पर रिमझिम-रिमझिम फुहार पड़ रही है। सावन की बहार आ गई है। बारिश से मिट्टी सोंधी-सोंधी महक रही है।

(ख) मोर वन में नाचा।

(ग) बचने के लिए चोर ने अपनी छड़ी एक उँगली के बराबर काट दी।

(घ) पेंसिल ने बिल्ले का चित्र बनाया जिससे चूहा डरता है, इस कारण वह डरकर भाग गया।

पाठ-4 आसमान में कितने तारे

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i

3. (क) बात पुरानी; (ख) सही निशानी; (ग) क्या जाना; (घ) इनकी राम

4.

आसमान में	पास तुम्हारे
क्या तुमको	दिखते हैं सारे
कौन है कितने	कितने तारे

5. (क) हाँ।

(ख) तारे दिन में दिखाई नहीं देते हैं क्योंकि दिन में सूरज निकलता है जिस कारण तारे छिप जाते हैं।

(ग) 'कुछ की लेकिन सही निशानी' का अर्थ है कि सभी तारों के नाम और जगह निश्चित नहीं है लेकिन कुछ तारों की निश्चित है। इसलिए कुछ की है लेकिन सही निशानी है।

(घ) 'हर तारे की बात पुरानी' कवि ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि तारे बहुत प्राचीन समय से हैं।

6.

आ	समान	आसमान	ओ	स	ओस
	काश	आकाश		खली	ओखली
	दर	आदर		र	ओर

7. (क) इतने; (ख) मात; (ग) निशानी; (घ) मौन

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 जब बूँदें गिरने लगीं

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) घोंसले; (ख) डाल; (ग) फड़फड़ाए; (घ) चहकने

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗

5. (क) चिड़िया का गर्मी के कारण बाहर जाने का मन नहीं था।

(ख) चिड़िया ने सूरज से बादल लाने को कहा।

(ग) सूरज बादल लाने के लिए तालाब, नदियों और सागरों पर तेज चमका जिससे पानी भाप बन गया। भाप ऊपर उठने लगी, आसमान

में बादल छाने लगे और धीरे-धीरे बादल घने होते गए जिससे वर्षा शुरू हो गई।

(घ) जब सूरज की तेज किरणों से तालाब, नदियों का पानी गर्म होकर भाप बनकर ऊपर उठता है तो बादल बनते हैं।

(ङ) स्वयं कीजिए।

(च) बादल-बादल बरसो पानी,
आज नहाएँगे मनमानी।
रिमझिम बरसो रम-रम बरसो,
धीरे-धीरे थम-थम बरसो,
जिससे हो न हमें हैरानी
बादल-बादल बरसो पानी।
ठंडा-ठंडा तन हो हमारा,
ठंडा-ठंडा मन हो हमारा।
मर जाए गरमी की नानी,
बादल-बादल बरसो पानी।

6. (क) सरिता, तटिनी; (ख) जल, नीर; (ग) समुद्र, जलधि; (घ) शरीर, देह

7.

	व्यक्तिवाचक		जातिवाचक		भाववाचक
1.	आगरा	1.	अध्यापक	1.	खुशी
2.	वैभव	2.	घायल	2.	मिठास
3.	गंगा	3.	सब्जी	3.	सरदी
4.	हिमालय	4.	लड़का	4.	हरियाला

8.

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 एक चिट्ठी

खंड-अ

2. (क) i; (ख) iii; (ग) i

3. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓; (ङ) ✓

4. (क) अम्मूकुट्टी को खिड़की के पास सीट मिली और उसने समुद्र देखा।
(ख) अम्मूकुट्टी को यह बुरा लगा कि वे समुद्र में खेल नहीं सकते थे।
(ग) मनिकुट्टी एम गीतांजलि से शादी करना चाहती है क्योंकि वह उसे उसकी अम्मा की तरह पीटती-वीटती नहीं है और न उनकी तरह चिल्लाती है।
(घ) अम्मूकुट्टी को मैंगो बार आइसक्रीम पसंद है।
(ङ) स्वंय करें।

5. (क) हमें बैठने के लिए भी सीट नहीं मिली।
(ख) मैं तुमसे शादी नहीं कर सकती।
(ग) उसे तुम बहुत पसंद आई।
(घ) मुझे मैंगो बार बहुत अच्छी लगती है।

6. (क) अम्मा, मम्मी; (ख) हट्टा, कुट्टी; (ग) गुब्बारा, डिब्बा; (घ) मुन्ना, अन्न; (ङ) कुत्ता, पत्ता

7. (क) कि, इसलिए; (ख) कि; (ग) तो

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

1. (क) iii; (ख) i; (ग) i

2.

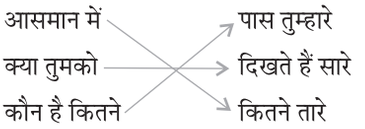

3.

4. उबालकर

5. (क) हाँ

(ख) चिड़ियाँ अपने घोंसले में बैठी थी, क्योंकि बाहर बहुत गर्मी थी।

(ग) बादल-बादल बरसो पानी,
आज नहाएँगे मनमानी।
रिमझिम बरसो रम-रम बरसो,
धीरे-धीरे थम-थम बरसो,
जिससे हो न हमें हैरानी
बादल-बादल बरसो पानी।
ठंडा-ठंडा तन हो हमारा,
ठंडा-ठंडा मन हो हमारा।
मर जाए गरमी की नानी,
बादल-बादल बरसो पानी।

(घ) मनिकुट्टी एम गीतांजलि से शादी करना चाहती है क्योंकि वह उसे उसकी अम्मा की तरह पीटती-वीटती नहीं है और उन उनकी तरह चिल्लाती है।

पाठ-7 एक-दूसरे की मदद करो

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) एकांत; (ख) प्रार्थना; (ग) सहायक; (घ) काँपने (ङ) धन्यवाद; (च) मदद

4.

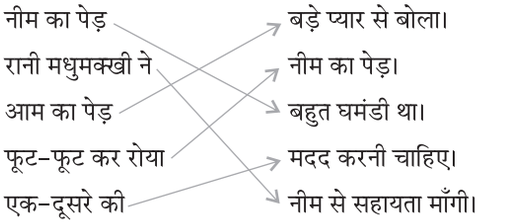

5. (क) नीम और आम का पेड़ शहर से दूर एकांत स्थान पर थे।
(ख) नीम के पेड़ को अपने ऊँचे और घने होने का बहुत घमंड था।
(ग) रानी मधुमक्खी ने नीम के पेड़ से उसकी डाल पर छत्ता बनाने की प्रार्थना की।

(घ) एक दिन दो-तीन आदमी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर पेड़ काटने आए।

(ङ) तीसरे आदमी ने आम के पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता देखकर उसे काटने से मना कर दिया।

(च) जीवन में सुख एक-दूसरे की मदद करने से ही मिलता है।

6.

पड़ौसी	पड़ोसि	(पड़ोसी)
(प्रभाव)	प्राभव	प्राभाव
छात्ता	(छत्ता)	छातता
मज़बुत	मज़ाबूत	(मज़बूत)

7. (क) नीम का पेड़ बहुत कमज़ोर था।

(ख) रानी मधुमक्खी ने बड़े कड़वे स्वर में कहा।

(ग) नीम का पेड़ फूट-फूटकर हँसने लगा।

(घ) एक-दूसरे की मदद करने से जीवन में दुख मिलता है।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 गड़ा खजाना

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) किसान के बेटों ने।

क्योंकि उन्हें खेत में कहीं खजाना नहीं मिला।

किसान से।

(ख) किसान ने।

क्योंकि उसने अपने बेटों से खजाना देने को कहा था और उनकी फसल बहुत अच्छी हुई थी।

अपने बेटों से।

4.

तीनों ही जवान	खजाना नहीं मिला।
पिता की कमाई	गर्व से अपने पिता को लहलहाती फसल दिखाई।
उन्हें कहीं भी	और हट्टे-कट्टे थे।
तीनों बेटों ने बड़े	उड़ाने में उन्हें बड़ा मज़ा आता था।

5. (क) किसान के लड़के जवान और हट्टे-कट्टे थे पर वे बहुत ही आलसी थे।

(ख) किसान ने लड़कों से कहा, ''तुम लोगों के लिए मैंने अपने खेत में छोटा-मोटा खजाना गाड़ रखा है। तुम लोग खेत खोद डालो और उस खजाने को आपस में बाँट लो।''

(ग) धन पाने के लिए लड़कों ने खेत की एक-एक इंच जमीन खोद डाली।

(घ) लड़कों को उनके परिश्रम का फल लहलहाती फसल के रूप में मिला।

(ङ) इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

6. (क) रंग-बिरंगी पतंग उड़ रही हैं।

(ख) पेड़ पर दो तोते बैठे हैं।

(ग) माँ ने एक किलो सेब लिए।

(घ) पानी ठंडा है।

(ङ) एक दर्जन केले मेज पर रखे हैं।

7. (क) जवान; (ख) वियोग; (ग) परिश्रमी; (घ) बड़ा; (ङ) पतला; (च) रात

8. (क) प् + ऐ + द् + आ + व् + आ + र् + अ; (ख) श् + ओ + भ् + आ; (ग) क् + इ + स् + आ + न + अ; (घ) म् + ए + ह् + अ + न् + अ + त् + अ; (ङ) आ + ल् + अ + स् + ई

9. (क) हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

(ख) किसान के पास गड़ा खजाना था।

(ग) खजाना न मिलने पर लड़के निराश हो गए।

(घ) भारत की जीत बड़े गर्व की बात है।

(ङ) संयोग से इस बार अच्छी वर्षा हुई।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-1

1. रिमझिम-रिमझिम पड़ी फुहार
सावन की आ गई बहार।
लगे झूलने बच्चे झूले,
लंबी पेंग बढ़ाकर फूले।
सोंधी-सोंधी मिट्टी महके,
डाल-डाल पर चिड़िया चहके।

2. (क) बहार; (ख) फूले; (ग) चहके; (घ) मोर

3.

व्यापारी शहर	कर छड़ी देखने लगा।
उसने तुरंत छड़ी को	जेल में डाल दिया गया।
काजी एक-एक	के काजी के पास पहुँचा।
चोर को	एक उँगली के बराबर काट दिया।

4. ढूँढ़, पेंसिल, दाँत, कहेंगे, उन्हें, अंदर, लंबी, मूँछ, मुँह

5. (क) सरिता, तटिनी; (ख) जल, नीर; (ग) समुद्र, जलधि; (घ) शरीर, देह

6. (क) हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

(ग) खजाना न मिलने पर लड़के निराश हो गए।

7.

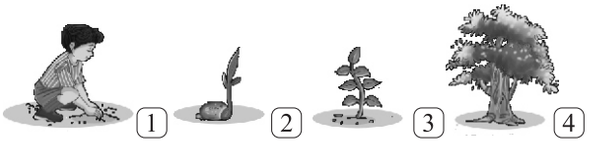

8. (क) चोरी; (ख) घोंसले; (ग) चहकने; (घ) काँपने

9. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✗

10. (क) स्वयं कीजिए।

(ख) काजी ने व्यापारी के नौकरों और मित्रों को चोर का पता लगाने के लिए बुलाया।

(ग) पेंसिल ने चूहे से कहा कि मुझे कुतरने से पहले एक आखिरी चित्र बनाने दो।

(घ) तीसरे आदमी ने आम के पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता देखकर उसे काटने से मना कर दिया।

(ङ) धन पाने के लिए लड़कों ने खेत की एक-एक इंच जमीन खोद डाली।

पाठ-9 नाव

खंड-अ

2. (क) i; (ख) iv; (ग) ii

3. नैया मेरी बड़ी मज़े की,
लहरों पर झूला करती।
कागज़ की वह बनी हुई है,
फूलों का बोझा भरती।

4. गुड्डे-गुड़ियों को ले जाकर,
है तालाब दिखा लाती।
परवा उसे न पतवारों की,
बिन माझी आती जाती।

5. (क) नाव, गुड्डे-गुड़ियों को तालाब दिखाकर लाती है।
(ख) नाव को पतवार की परवाह नहीं है।
(ग) नाव कागज़ की बनी है जिस कारण हल्की है। इसलिए यह जल में नहीं डूबती।
(घ) नाव चलाने वाले को माझी कहते हैं।
(ङ) स्वयं कीजिए।

6. (क) आश्चर्य अरे! कितना सुंदर फूल है।
(ख) घृणा छि:! यहाँ कितनी गंदगी है।
(ग) प्रसन्नता शाबाश! तुम प्रथम आए।
(घ) इच्छा काश! मैं उड़ सकता।

7. ज — जल, जोर, खजाना, जवाब, जरूरत
ज़ — ज़रा, ज़मीन, ज़ेब, कागज़, मज़बूत

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 पतीले का बच्चा

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iv

3. (क) शहर के लोग लालची बरतनों के दुकानदार की शिकायत लेकर बीरबल के पास गए।
(ख) बीरबल ने दुकानदार से तीन बड़े-बड़े पतीले खरीदे।
(ग) बीरबल ने एक छोटी सी पतीली दुकानदार को देकर कहा कि यह पतीली आपके पतीलों का बच्चा है। यह सुनकर दुकानदार बहुत खुश हुआ।
(घ) बीरबल ने दुकानदार के पास एक पतीला ले जाकर कहा कि मुझे मेरे पैसे वापस दे दो। जब दुकानदार ने कहा कि उसने तीन पतीले दिए थे तो बीरबल ने कहा कि बाकी दो पतीलों की मृत्यु हो गई है। इस प्रकार बीरबल ने दुकानदार को सबक सिखाया।
(ङ) दुकानदार ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बीरबल ने दुकानदार से पतीलों की मृत्यु होने की बात कही।

4. हवलदार, चौकीदार, किरायेदार

5. (क) दुकानदार सभी गाँववालों को उल्लू बनाता था।
(ख) अपने शत्रु को सामने देखकर रोहित लाल-पीला हो गया।
(ग) बच्चों ने शोर मचाकर अध्यापक की नाक में दम कर दिया।

6. र — रोटी, रात, रोना
्र — भ्रम, क्रम, ग्राम
र्‍ — दर्पण, अर्पण, वर्षा

7. (क) श्रीमती; (ख) गुणवती; (ग) आयुष्मती; (घ) बलवती

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 गीदड़ की गवाही

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) खूँटे; (ख) पड़ोसियों; (ग) न्यायाधीश; (घ) हवालात

4. गीदड़ → टस-से-मस नहीं हुआ।
मामला → अदालत तक पहुँचा।
पड़ोसियों → ने पंसारी के पक्ष में गवाही दी।
राजकुमार का गवाह → गीदड़ था।

5. (क) राजकुमार ने रात पंसारी के यहाँ गुजारी।
(ख) राजकुमार व पंसारी के बीच झगड़े का कारण घोड़ा था।
(ग) पड़ोसियों ने पंसारी के पक्ष में गवाही दी।
(घ) राजकुमार का गवाह गीदड़ था।
(ङ) न्यायाधीश के सबूत माँगने पर गीदड़ ने कहा कि नदी में आग लगने की वजह से सबूत जल गया।
(च) जब गीदड़ ने नदी में आग लगने की बात कही तो न्यायाधीश को गीदड़ की बात पर क्रोध आया।

6. (क) राजकुमार, राजदरबार, राजमहल, महाराज
(ख) प्रहार, उपहार, पालनहार, आहार
(ग) अपमान, सम्मान, मेहमान
(घ) पराजय, अजय, विजय

7. (क) राजकुमार; (ख) गंगाजल; (ग) राजमहल; (घ) दीनानाथ; (ङ) सेनापति; (च) प्रेमासागर

8. (क) पथ, मार्ग; (ख) पूजा, अर्चना; (ग) अश्व, घोटक; (घ) रात्रि, निशा; (ङ) आदेश, निर्देश

9. (क) राजकुमारों को गुस्सा आया।
(ख) घोड़े खूँटे से बाँध दिए।
(ग) न्यायाधीशों ने राजकुमार को भी गवाह पेश करने को कहा।

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-3

1. (क) ii; (ख) iii; (ग) iv

2. (क) जवान; (ख) वियोग

3.

पड़ौसी	पड़ोसि	(पड़ोसी)
(प्रभाव)	प्राभव	प्राभाव
छात्ता	(छत्ता)	छातता

4. (क) अरे! कितना सुंदर फूल है।

(ख) छि:! यहाँ कितनी गंदगी है।

(ग) शाबाश! तुम प्रथम आए।

5. (क) लड़कों को उनके परिश्रम का फल लहलहाती फसल के रूप में मिला।

(ख) नाव चलाने वाले को।

(ग) बीरबल ने दुकानदार के पास एक पतीला ले जाकर कहा कि मुझे मेरे पैसे वापस दे दो। जब दुकानदार ने कहा कि उसने तीन पतीले दिए थे तो बीरबल ने कहा कि बाकी दो पतीलों की मृत्यु हो गई है। इस प्रकार बीरबल ने दुकानदार को सबक सिखाया।

(घ) न्यायाधीश के सबूत माँगने पर गीदड़ ने कहा कि नदी में आग लगने की वजह से सबूत जल गया।

पाठ-12 बिल्ली के गले में घंटी

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) i; (ग) i

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓

4. (क) नुकसान; (ख) पकड़ती, मारकर; (ग) चूहों; (घ) समर्थन

5. (क) पंसारी चूहों से परेशान था।

(ख) चूहों से छुटकारा पाने के लिए पंसारी एक बिल्ली ले आया।

(ग) बिल्ली से छुटकारा पाने के लिए चूहों ने सभा बुलाई।

(घ) बिल्ली से छुटकारा पाने के लिए चूहे ने सुझाव दिया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँध देनी चाहिए।

(ङ) जब बूढ़े चूहे ने कहा कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधेगा कौन! यह सुनकर सभी चूहे एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे।

6. (क) दुकानदार से सामान ले आओ।

ईश्वर की नजर में सभी प्राणी एक समान हैं।

(ख) लोमड़ी एक चालाक जानवर है।

रोहित के पिता विमान चालक हैं।

7.

(र)	पंसारी	चतुर	मधुर	चोर
(ई)	फुर्ती	कुर्ता	वर्षा	मूर्ख
(ब)	ब्रेड	ग्रह	भ्रम	क्रम

8. (क) लाभ; (ख) विरोध; (ग) पतली; (घ) असावधान

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-13 नए साल का उत्सव

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii

3. (क) सीमा ने शालू आंटी से; (ख) सीमा ने सनी से; (ग) डॉक्टर ने सनी की माँ से

4. (क) सीमा और सनी दोस्त थे। नए साल की पार्टी के लिए उनके घर पर दोस्त और रिश्तेदार आए थे।

(ख) पैर फिसलने के कारण सनी गिर गया जिससे उसे चोट लगी।

(ग) सीमा ने शालू आंटी से पूछा कि ''क्या आपने मेरी या सनी की माँ को देखा है?''

(घ) शालू आंटी ने सीमा से कहा कि ''नहीं, उन्होंने उसकी या सनी की माँ को देखा नहीं है किंतु वह उन्हें खोजकर सनी के गिरने की बात बता देंगी।''

(ङ) सीमा ने सनी को दिलासा देते हुए कहा कि ''रो मत सनी। अभी माँ आ जाएगी और फिर वे डॉक्टर के पास जाएँगे। तुम तो मेरे बहादुर दोस्त हो। बहादुर बच्चे कभी नहीं रोते।''

(च) जगन काका डॉक्टर थे।

5. (क) वह माँ को देखने हॉल की ओर दौड़ी।

(ख) सनी गिर गया।

(ग) बहादुर बच्चे कभी नहीं रोते।

(घ) सब लोग पाटी में आ गए।

6. डॉक्टर, फ्रॉक, ऑफिस, बॉल

7. हॉल, डॉक्टर, पार्टी, आंटी

8. (क) इसे ज़्यादा चोट नहीं आई है।

(ख) सीमा ने कहा, ''रो मत सनी!''

(ग) उसकी समझ में नहीं आया कि वह क्या करे।

(घ) पार्टी में नाच-गाना था, खाना-पीना था।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 पेड़ लगाओ ऐसा

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i

3. पेड़ लगाओ ऐसा,
जो हो जादू के जैसा।
बिस्कुट के पत्ते हों जिसमें,
फल हो टॉफ़ी जैसा।
आइसक्रीम का रस हो जिसमें,
गोंद हो चुइंगम जैसा।

4. (क) कवि के अनुसार जादू का पेड़ ऐसा होना चाहिए जिसमें पत्ते बिस्कुट के और फल टॉफ़ी जैसा हो। रस आइस्क्रीम जैसा और गोंद चुइंगम जैसी होनी चाहिए। जिसे हिलाने पर पैसा बरसे, ऐसा पेड़ होना चाहिए।

(ख) स्वयं कीजिए।

5. (क) बिस्कुट; (ख) दूध; (ग) गोंद; (घ) टॉफ़ी; (ङ) आइस्क्रीम; (च) मक्खन

6. (क) कड़-कड़; (ख) गड़-गड़; (ग) ट्रिन-ट्रिन; (घ) पों-पों

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-4

1. (क) iv; (ख) iii; (ग) i

2. (क) लाभ; (ख) विरोध

3. (क) बिस्कुट; (ख) दूध

4. (क) दुकानदार से सामान ले आओ।

ईश्वर की नजर में सभी प्राणी एक समान हैं।

(ख) लोमड़ी एक चालाक जानवर है।

रोहित के पिता विमान चालक हैं।

5. (क) बिल्ली से छुटकारा पाने के लिए चूहे ने सुझाव दिया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँध देनी चाहिए।

(ख) सीमा ने शालू आंटी से पूछा कि ''क्या आपने मेरी या सनी की माँ को देखा है?''

(ग) जगन काका डॉक्टर थे।

(घ) स्वयं कीजिए।

पाठ-15 क्रिसमस केक

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) iv; (ग) ii; (घ) iii

3. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗

4. (क) बालक क्रिसमस अपने दादा जी के साथ मनाना चाहता था।

(ख) बालक ने बूढ़े व्यक्ति को अपना केक देकर उसकी मदद की।

(ग) बालक ने दरवाज़ा खोला तो देखा कि एक तेजस्वी (देवदूत) सफेद कपड़े पहने सामने खड़ा है।

(घ) ''तुमने सही अर्थों में क्रिसमस मनाया है'' का तात्पर्य यह है कि उस बच्चे ने एक गरीब, असहाय और भूख से तड़पते व्यक्ति का पेट भरकर एक नेक कार्य किया है।

5. (क) अन्न, मुन्ना; (ख) कच्छा, अच्छा; (ग) आत्मा, परमात्मा; (घ) मस्ती, हस्ती

6. (क) अंतरात्मा; (ख) रत्नाकर; (ग) हिमालय; (घ) अनाथालय; (ङ) गजानन; (च) देवालय

7. (क) एक बूढ़ी दादी जी हैं।

(ख) बेटी! भगवान तुम्हारा भला करे।

(ग) यह बूढ़ी लाचार है।

8.

उप	हार	उपहार	अ	सहाय	असहाय
	कार	उपकार		समान	असमान
	हास	उपहास		मन	अमन

खंड (ब) स्वयं कीजिए।

पाठ-16 चतुर हंस

खंड-अ

2. (क) i; (ख) ii; (ग) ii

3. (क) निवास; (ख) सुझाव; (ग) तने, डालों; (घ) बहेलिए

4.

बूढ़ा हंस	मृत्यु का कारण बनी।
छोटी-सी लता	लज्जित हुए।
बहेलिया ने	चतुर और दूरदर्शी था।
सभी हंस	जाल बिछाया।

5. (क) बूढ़े हंस ने लता को देखकर कहा कि ''इस लता को नष्ट कर दो, नहीं तो यह लता एक दिन मृत्यु का कारण बनेगी।''

(ख) हंसों ने बूढे हंस की बात नहीं मानी क्योंकि उनमें दूर की सोच नहीं थी।

(ग) बूढ़े हंस की बात न मानने का परिणाम यह हुआ कि एक बहेलिए ने लता के सहारे पेड़ पर चढ़कर अपना जाल बिछा दिया।

(घ) सभी हंस बूढ़े की बात न मानने के कारण जाल में फँसने पर लज्जित हुए।

(ङ) बूढ़े हंस ने सभी हंसों से कहा कि ''जब बहेलिया आए तो मृत होन का नाटक करें जिससे बहेलिया उन्हें मृत जानकर जाल से निकालकर ज़मीन पर फेंक देगा और इस प्रकार वे सभी बहेलिए से अपनी जान बचा सकेंगे।

6. (क) बूढ़ा हंस दूरदर्शी था।

बच्चा हँस रहा था।

(ख) बहेलिए ने जाल बिछाया।

बच्चे ने अखबार जला दिया।

7.

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
हंस	छोटी
पेड़	सीढ़ी
जाल	लता

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 मीठी सारंगी

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) iv

3. (क) बैठ; (ख) झुंझलाया; (ग) झूठे; (घ) बेवकूफी

4. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) सभी गाँववालों को सारंगी की आवाज़ मीठी लगी किंतु भोला को नहीं, इसलिए उसे लगा कि क्या पता पास जाकर बैठने से सांरगी की आवाज मीठी लगे। इसलिए वह बाबाजी के पास जाकर बैठ गया।

(ख) सभी लोगों को सारंगी की आवाज में स्वाद आया परंतु भोला को नहीं, जिस कारण उसे लगा कि सभी लोग झूठे हैं। इस कारण भोला को नींद नहीं आई।

(ग) भोला ने सारंगी को अच्छी तरह से चाटा किंतु तब भी उसे मीठी नहीं लगी तो उसने सारंगी को गाँव से बाहर दूर ले जाकर फेंक दिया।

6. (क) रातें; (ख) बूँदें; (ग) बातें; (घ) कमरे

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-2

1. गुड्डे गुड़ियों को ले जाकर,
   है तालाब दिखा लाती।
   परवा उसे न पतवारों की,
   बिन माझी आती जाती।
2. (क) श्रीमती; (ख) गुणवती; (ग) आयुष्मती; (घ) बलवती
3.

गीदड़	अदालत तक पहुँचा।
मामला	गवाही दी पंसारी के पक्ष में।
पड़ोसियों ने	गीदड़।
राजकुमार का गवाह	टस-से-मस नहीं हुआ।

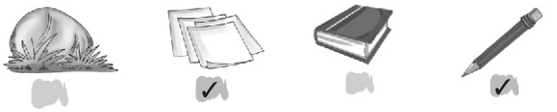

4. र — पंसारी रोज रात
   र्‍ — फुर्ती कुर्ता वर्षा
   ्र — ब्रेड क्रम नम्र
5. (क) इसे ज्यादा चोट नहीं आई है।
   (ख) सीमा ने कहा, ''रो मत सनी!''
   (ग) उसकी समझ में नहीं आया कि वह क्या करे।
   (घ) पार्टी में नाच-गाना था, खाना-पीना था।
6. (क) कड़-कड़; (ग) पों-पों
7.
8. (क) खूँटे; (ख) चूहों; (ग) बहेलिए; (घ) बेवकूफी
9. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓
10. (ख) चूहों से छुटकारा पाने के लिए पंसारी एक बिल्ली ले आया।
    (ग) पैर फिसलने के कारण सनी गिर गया जिससे उसे चोट लग गई।
    (घ) बालक ने दरवाज़ा खोला तो देखा कि एक तेजस्वी (देवदूत) सफेद कपड़े पहने सामने खड़ा है।
    (ङ) बूढ़े हंस ने सभी हंसों से कहा कि जब बहेलिया आए तो मृत होने का नाटक करें जिससे बहेलिया उन्हें मृत जानकर जाल से निकालकर ज़मीन पर फेंक देगा और इस प्रकार वे सभी बहेलिए से अपनी जान बचा सकेंगे।
    (च) भोला ने सारंगी को अच्छी तरह से चाटा किंतु तब भी उसे मीठी नहीं लगी तो उसने सारंगी को गाँव से बाहर दूर ले जाकर फेंक दिया।

BOOK-3

पाठ-1 फ़र्श पर ....

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii
3. चिड़िया आती है,
   डाल जाती तिनके फ़र्श पर।
   हवा आती है,
   बिखेर जाती धूल फ़र्श पर।
   सूरज आता है,
   सजा जाता चिंदियाँ फ़र्श पर।
   मुन्ना आता है,
   उलट देता कटोरी फ़र्श पर।
4. (क) कविता फ़र्श के बारे में है।
   (ख) हवा आकर फ़र्श पर धूल बिखेर जाती है।
   (ग) पिताजी आकर फ़र्श पर जूते उतारते हैं।
   (घ) मुन्ना फ़र्श पर कटोरी उलट देता है।
   (ङ) सूरज आता है और फ़र्श पर चिंदियाँ सजाता है।
5. (क) वायु, पवन, समीर
   (ख) रवि, भास्कर, दिवाकर
   (ग) अंबर, आकाश, गगन
6. ज़ — रोज़; ज़मीन; चीज़; दर्ज़ी
   फ़ — फ़र्श; फ़सल; फ़र्जी; काफ़ी
7. (क) जाती; (ख) गन्ना; (ग) चटोरी; (घ) ताल; (ङ) मोज़; (च) अर्श

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 तीन बिल्लियाँ

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) ii
3. (क) अब तस्वीर; (ख) चित्रकार; (ग) सिमटकर; (घ) दोस्ताना
4. (क) बिल्लियों को इधर-उधर कूदता-फाँदता देखकर चित्रकार को गुस्सा आया।
   (ख) बिल्लियों को लगने लगा कि वो सिमटकर बक्से के आकार की हुई जा रही हैं, जैसे उन्हें तस्वीर से काटा जा रहा हो इसलिए बिल्लियाँ तस्वीर से कूदकर भागीं।
   (ग) पहली बिल्ली दौड़ते-दौड़ते जंगल में पहुँच गई और एक बड़ी बिल्ली बन गई।
   (घ) दूसरी बिल्ली नदी में गई।
   (ङ) चित्रकार से बचने के लिए तीसरी बिल्ली एक खूब सारे बच्चों वाले घर में घुस गई।
   (च) दूसरी तस्वीर बनाते समय चित्रकार ने ध्यान रखा कि उसकी पेंटिंग में बहुत सारी जगह खाली हो, ताकि वहाँ की बिल्लियाँ आराम से फैल-फूलकर खेल सकें।
5. (क) कृष्णा तेज दौड़ते-दौड़ते थक गया।
   (ख) चित्रकार ने चित्र पर ब्रुश झटक-सा दिया।
   (ग) उसकी बात सुनते-सुनते मैं थक गया।
6. (क) घुड़सवार; (ख) नाविक; (ग) कुम्हार; (घ) सुनार; (ङ) दर्ज़ी
7. (क) दिल्ली, बिल्ली; (ख) रस्सी, गुस्सा; (ग) अन्न, मुन्ना; (घ) बच्चा, सच्चा; (ङ) चम्मच, मम्मी
8. (क) मछलियाँ; (ख) दरवाज़े; (ग) बिल्लियाँ; (घ) तस्वीरें; (ङ) कहानियाँ; (च) कमरे

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 भाग्य से ज्यादा

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii; (घ) iv,

3. (क) निर्धनों; (ख) दानशीलता; (ग) आदर-सत्कार; (घ) मिठाईवाले; (ङ) अशर्फियों

4. (क) सेठानी द्वारा बेटी की मदद करने को कहने पर सेठ जी कहते हैं कि भाग्यवान जब तक बेटी-दामाद का भाग्य उदय नहीं होगा तब तक मैं उनकी कितनी भी मदद करूँ तो कोई भी फायदा नहीं। जब उनका भाग्य उदय होगा तो अपने आप सब मदद करने को तैयार हो जाएँगे।

(ख) सेठानी जी इसी विचार में रहती थीं कि किस प्रकार बेटी की आर्थिक मदद करूँ।

(ग) सेठानी ने बेटी-दामाद की मदद करने के लिए मोतीचूर के लड्डुओं में अशर्फियाँ छुपाकर दामाद को दे दीं।

(घ) दामाद ने अशर्फियों वाले लड्डू ले जाकर मिठाईवाले को बेच दिए। उधर सेठ जी बाहर से आए तो उन्होंने सोचा कि मिठाई की दुकान से मोतीचूर के लड्डू लेता चलूँ और दुकानदार से मोतीचूर के लड्डू माँगे और दुकानदार ने वही अशर्फियों वाले मोतीचूर के लड्डू सेठ जी को दे दिए। इस तरह अंत में अशर्फियाँ वापस सेठ जी के घर जा पहुँचीं।

(ङ) सेठानी ने दामाद के आने से लेकर जाने तक और लड्डुओं में अशर्फियाँ छुपाने की घटना सेठ जी को सुनाई।

5. (क) क्षमा, कक्षा; (ख) त्रिदेव, त्रिशूल; (ग) आज्ञा, ज्ञानी; (घ) श्रमिक, श्रमण

6. (क) निर्धन; (ख) निर्जीव; (ग) निर्जन; (घ) निर्बल; (ङ) निर्दोष; (च) निर्गुण

7. (क) सेठानी; (ख) बेटा; (ग) पत्नी; (घ) भाग्यवती

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

1. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

2. (क) फ़र्श पर चिदियाँ सूरज सजाता है।

(ख) तस्वीर में तीन बिल्लियाँ रहती थीं।

(ग) सेठ जी की बेटी का पति शराबी, जुआरी व सट्टेबाज था।

(घ) सेठानी ने दामाद के आने से लेकर जाने तक और लड्डुओं में अशर्फियाँ छुपाने की सारी घटना सेठ जी को सुनाई।

3. (क) चित्रकार ने चित्र पर ब्रुश झटक-सा दिया।

(ख) उसकी बात सुनते-सुनते मैं थक गया।

(ग) कृष्णा तेज दौड़ते-दौड़ते थक गया।

4. (क) सेठानी; (ख) बेटा; (ग) भाग्यवती; (घ) पत्नी

5. (क) पवन, समीर; (ख) दिनकर, भास्कर; (ग) गगन, अंबर

पाठ-4 पढ़ा-लिखा गधा

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iii

3. (क) बीरबल; (ख) पोथी; (ग) जुबान; (घ) चकित

4.

गधे की रस्सी को	दूसरे पन्ने पर रख दी।
एक महीने बाद	पन्ने पलटता चला गया।
गधा जुबान से	बीरबल के हाथ में थमा दे।
दूसरे दिन मैंने घास	बीरबल दरबार में हाज़िर हुए।

5. (क) बीरबल अकबर के नवरत्नों में से एक थे व दूर-दूर तक नामी-गिरामी थे।

(ख) बादशाह को खुश करने के इरादे से बीरबल ने गधे की तारीफ के पुल बाँधे।

(ग) बीरबल की बात को पकड़ते हुए अकबर ने बीरबल को आदेश दिया कि वह गधे को को ले जाए और महीने-भर पढ़ा-लिखा कर वापस लाए।

(घ) गधा दरबार में आकर जुबान से पोथी के पन्ने पलटता चला गया और तीसवें पन्ने पर पहुँचकर जोर-जोर से रेंकने लगा।

(ङ) गधे को जुबान से पोथी के पन्ने पलटते देखकर बादशाह और दरबारी चकित रह गए।

(च) बीरबल ने गधे को जुबान से पुस्तक के पन्ने पलटना सिखाया।

6. (क) गधे; (ख) रस्सियाँ; (ग) बातें; (घ) मुट्ठियाँ; (ङ) पन्ने; (च) महीने

7. (क) बेगम; (ख) गधी; (ग) बुद्धिमती; (घ) सेविका

8. (क) बीरबल दरबार में गधे को लेकर हाज़िर हुए।

(ख) रमा का दुर्घटना के बाद बचना एक चमत्कार है।

(ग) आज चुनाव का नतीजा घोषित होगा।

9. (क) आदेश; (ख) विफल; (ग) आसन; (घ) विराम; (ङ) आश्रम; (च) विश्राम

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 वर्षा तुमको आना है

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) ii

3. (क) कवि वर्षा से खूब जल बरसाने को कह रहा है।

(ख) कवि वर्षा से खूब जल बरसाने के लिए कह रहा है।

(ग) कवि वर्षा से इतना बरसने के लिए मना कर रहा है जिससे हमें पानी को रोकना पड़े।

4. (क) जाना; (ख) डूब; (ग) भरी; (घ) दर्षा; (ङ) दमके; (च) मनुष

5. (क) मेह, बारिश, बरसात; (ख) सरिता, तटिनी, नद; (ग) गगन, अंबर, आकाश; (घ) चपला, दामिनी, चंपा

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 कश्मीर की यात्रा

खंड-अ

2. (क) i; (ख) iv; (ग) ii; (घ) ii

3. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

4. (क) शिकारा 'हाउसबोट' को कहते हैं।
(ख) कश्मीर का व्यवसाय खेती के अलावा भेड़-बकरी पालना है।
(ग) कश्मीर में 'गुलमर्ग' व 'अमरनाथ की गुफा' दर्शनीय स्थल हैं।
(घ) पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर को कहा जाता है।

5. (क) सुगंधित; (ख) पुष्पित; (ग) आनंदित; (घ) फलित; (ङ) हर्षित; (च) सम्मानित

6. (क) वीर; (ख) सुंदर; (ग) काला; (घ) लाल; (ङ) शरारती; (च) कच्चा; (छ) ठंडी; (ज) पुराना

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 होली

खंड-अ

2. (क) i; (ख) iv; (ग) i

3. (क) बच्चों; (ख) फसल; (ग) हार; (घ) बधाई

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓

5. (क) भारत की अधिकांश जनसंख्या खेती पर निर्भर है।
(ख) प्रह्लाद हिरण्यकश्यप का पुत्र था। वह ईश्वर का अनन्य भक्त था।
(ग) होलिका हिरण्यकश्यप की बहन थी। उसे आग में न जलने का वरदान प्राप्त था।
(घ) होली का पर्व हमें जीवन की कठिनाइयों को भूलकर हँसी-खुशी के साथ जीने और अपनी बुराइयों को जला देने की प्रेरणा देता है।

6. (क) भगवान; (ख) नृप; (ग) बेटा; (घ) अनुजा/भगिनी

7. (क) रंक, (ख) अप्रिय; (ग) अच्छाई; (घ) शोक

8. (क) होली का संबंध नई फ़सल से है।
(ख) होलिका आग में जलकर राख हो गई।
(ग) हिरण्यकश्यप नाम का एक राजा था।
(घ) प्रह्लाद हिरण्यकश्यप का पुत्र था।
(ङ) गुलाब का फूल बहुत सुंदर है।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

1. (क) iii; (ख) ii; (ग) iv

2. (क) बीरबल ने गधे की तारीफ करते हुए कहा, ''जहाँपनाह इसके चेहरे से ऐसी बुद्धिमानी फूट रही है कि शायद यह सिखाने पर पढ़ना-लिखना भी सीख जाए।''
(ख) श्रीनगर कश्मीर की राजधानी है।
(ग) झील में तैरते हुए घर को (नौकाघर) हाउसबोट कहते हैं।
(घ) प्रह्लाद हिरण्यकश्यप राजा का पुत्र था।
(ङ) होली का त्योहार हमें जीवन की कठिनाइयों को भूलकर हँसी-खुशी के साथ जीने और अपनी बुराइयों को जला देने का संदेश देता है।

3. (क) गधे; (ख) रस्सियाँ; (ग) पन्ने; (घ) मुट्ठियाँ

4. (क) बीरबल दरबार में गधे को लेकर हाज़िर हुए।
(ख) रमा का दुर्घटना के बाद बचना एक चमत्कार है।
(ग) आज चुनाव का नतीजा घोषित होगा।

5. (क) जाना; (ख) डूब; (ग) भरी; (घ) दर्षा; (ङ) दमके

पाठ-8 खुश आदमी की कमीज़

खंड-अ

2. (क) i; (ख) ii; (ग) i; (घ) ii

3. (क) वैद्य, मर्ज़; (ख) खुश; (ग) अभिभूत; (घ) प्रसन्नचित्त

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓

5. (क) राजा को लगने लगा कि वह बीमार है।
(ख) वैद्य जी ने राजा की बीमारी का उपचार बताया कि यदि राजा एक रात्रि के लिए किसी खुश आदमी की कमीज़ पहनकर सोएँ तो उनकी बीमारी दूर हो सकती है।
(ग) सैनिकों को भिखारी गाँव के द्वार पर मिला। वह मदमस्त लेटा हुआ अपनी मस्ती में सीटी बजा-बजाकर, हँस-हँसकर गाना गाते हुए लोटपोट हुए जा रहा था।
(घ) भिखारी ने कमीज़ नहीं दी क्योंकि उसके पास कोई कमीज़ थी ही नहीं।
(ङ) सैनिकों ने राजा को यह समाचार दिया कि उन्हें एक व्यक्ति मिला है जो पूर्णतया प्रसन्न व संतुष्ट है लेकिन उसके पास तन ढकने के लिए वस्त्र नहीं है।
(च) अंत में राजा को जीवन का गूढ़ तत्व समझ में आ गया।

6. (क) कटोरे; (ख) सीढ़ियाँ; (ग) ताँगे; (घ) नदियाँ; (ङ) दरवाज़े; (च) घंटियाँ; (छ) कपड़े; (ज) दवाईयाँ

7. (क) ब् + ई + म् + आ + र + ई; (ख) ई + श् + व + अ + र + अ; (ग) स् + अं + त् + उ + ष् + ट + अ; (घ) भ् + इ + ख + आ + र् + ई

8. (क) दुखी; (ख) नकद; (ग) स्वस्थ; (घ) असंतुष्ट; (ङ) रंक; (च) गरीब

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) ii

3. (क) गुरुजी बाज़ार गेहूँ पिसवाने जा रहे थे।
(ख) गुरुजी आटे की रोटी बनाते।
(ग) शिवदास ने थैली देखकर गुरुजी को साइकिल दी।
(घ) क्योंजीमल और कैसलिया से मिलने पर आप दोनों में क्यों और कैसे के बीच भटकते रहेगें क्योंकि क्योंजीमल बात-बात पर क्यों-क्यों-क्यों पूछते रहते हैं और कैसलिया बात-बात पर कैसे-कैसे-कैसे पूछते रहते हैं।

4. (क) स्त्रीलिंग; (ख) पुल्लिंग; (ग) पुल्लिंग; (घ) पुल्लिंग; (ङ) स्त्रीलिंग; (च) स्त्रीलिंग

5.

चुटकीभर	आटा
एक मुट्ठी	पानी
एक चम्मच	नमक
चुल्लूभर	शहद

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन–2

1. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) ii

2. (क) मिठाइवाले; (ख) दानशीलता; (ग) चकित; (घ) अभिभूत

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓

4. (क) दूसरी तस्वीर बनाते समय चित्रकार ने ध्यान रखा कि उसकी पेंटिग में बहुत सारी जगह खाली हो ताकि वहाँ की बिल्लियाँ आराम से फैल–फूलकर खेल सकें।

(ख) दामाद ने अशर्फियों वाले लड्डू ले जाकर मिठाईवाले को बेच दिए। उधर सेठ जी बाहर से आए तो उन्होंने सोचा कि मिठाई की दुकान से मोतीचूर के लड्डू लेता चलूँ और दुकानदार से मोतीचूर के लड्डू माँगे और दुकानदार ने वही अशर्फियों वाले मोतीचूर के लड्डू सेठ जी को दे दिए। इस तरह अंत में अशर्फियाँ वापस सेठ जी के घर जा पहुँचीं।

(ग) कश्मीर को पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता है।

(घ) प्रह्लाद हिरण्यकश्यप राजा का पुत्र था।

5.

चुटकीभर	आटा
एक मुट्ठी	पानी
एक चम्मच	नमक
चुल्लूभर	शहद

6. (क) होली का संबंध नई फ़सल से है।

(ख) गुलाब का फूल बहुत सुंदर होता है।

(ग) हिरण्यकश्यप नाम का एक राजा था।

7. (क) मछलियाँ; (ख) बिल्लियाँ; (ग) दरवाज़े; (घ) कमरे

8. (क) घुड़सवार; (ख) नाविक; (ग) दर्ज़ी; (घ) कुम्हार

9. (क) बरसात, बारिश; (ख) सरिता, तटिनी; (ग) गगन, आकाश; (घ) चंपा, दामिनी

10. (क) वीर; (ख) सुंदर; (ग) काला; (घ) लाल; (ङ) शरारती; (च) मीठा

पाठ-10 घी की मटकी

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) i

3. बिल्ली आई, एक कलूटी।

छींके ऊपर, देखी मटकी।

कूदी, लपकी, उछली लटकी।

यहाँ चढ़ी, वहाँ से टपकी।

ऊपर, नीचे, उलझी–अटकी।

मगर मिली ना, घी की मटकी।

4. (क) बिल्ली ने मटकी देखी।

(ख) मटकी छींके के ऊपर लटकी थी।

(ग) मटकी में घी था।

(घ) अम्मा की झपकी टूट गई इसलिए बिल्ली भाग गई।

(ङ) बिल्ली को घी की मटकी नहीं मिली इसलिए वह अपने भाग्य को कोस रही थी।

5. (क) झपकी; (ख) किल्ली; (ग) टीका; (घ) मम्मा; (ङ) फूटे; (च) वहाँ

6. बिल्ली, कलूटी, छींके, देखी, लपकी, उछली, टपकी, मटकी

7. (क) जैसे ही मैं निकला, मेरे भाई ने छींका।

(ख) फेल होने के बाद क्या पछताना जब पढ़ाई नहीं की।

(ग) जो भाग्य में होगा, वही मिलेगा।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 घंटीधारी ऊँट

खण्ड-अ

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii; (घ) ii

3. (क) आय; (ख) पुरस्कार; (ग) व्यापार; (घ) पत्थर, ऊँटों

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) जुलाहे को यह चिंता खाए जा रही थी कि बीवी के आने के बाद खर्चा बढ़ना स्वाभाविक है।

(ख) शहर में कुछ पैसे कमाने के बाद तथा गाँव से अकाल समाप्त होने की खबर आने पर जुलाहा गाँव लौटा।

(ग) जुलाहे को रास्ते में एक बीमार ऊँटनी मिली। कुछ दिन बाद उसने एक ऊँट को जन्म दिया। कुछ दिनों बाद एक कलाकार गाँव के जीवन पर चित्र बनाने के लिए उसी गाँव आया। पेंटिग के ब्रुश बनाने के लिए वह जुलाहे के ऊँट की दुम के बाल ले जाता। वह जुलाहे को काफ़ी सारे पैसे दे गया। इस प्रकार जुलाहे की किस्मत बदली।

(घ) घंटीधारी ऊँट स्वयं को अन्य ऊँटों से श्रेष्ठ समझता था इसलिए वह अन्य ऊँटों से अलग रहता था।

(ङ) स्वयं कीजिए।

6. (क) ऊँटनी; (ख) दूल्हा; (ग) जुलाहिन; (घ) पति; (ङ) मालकिन; (च) शेरनी

7. कंगाल, चिंता, धंधा, घंटी, झुंड, अंटी, अंहकार

ऊँट, ऊँटनी, बाँधा, गाँव, आँख

8. (क) मैं; (ख) वह; (ग) उसके; (घ) तुम, हमसे

9.

	काल	अकाल	कला	कलाकार
अ	नार	अनार	चित्र	चित्रकार
	चार	अचार	अधि	अधिकार

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 काबिलियत

खण्ड-अ

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii; (घ) iii

3.

बगीचे के पेड़-पौधे	पहुँचकर बहुत खुश हो गई।
फूल जमीन पर	भावुक हो गया।
चींटी किनारे पर	तहस-नहस होने लगे।
पत्ता	गिरकर निढाल हो गए।

4. (क) बगीचा; (ख) महसूस; (ग) निढाल; (घ) तालाब

5. (क) जब काफ़ी दिन बीत जाने के बाद भी किसी ने उसकी तारीफ़ नहीं की तो पत्ता काफ़ी हीन महसूस करने लगा।

(ख) आँधी आने पर बगीचे के पेड़-पौधे तहस-नहस होने लगे। थोड़ी ही देर में सभी फूल ज़मीन पर गिरकर निढाल हो गए।

(ग) हवा के झोंको की वजह से चींटी तालाब में आ गिरी।

(घ) चींटी को तालाब में गिरा देखकर पत्ते ने उसे अपने ऊपर बैठाकर किनारे तक पहुँचाकर चींटी की सहायता की।

(ङ) अंत में पत्ते को खुद की काबिलियत और जीने का मकसद समझ में आया।

6.

देखते-देखते	—	देखते-देखते बच्चा तालाब में गिर गया।
तरह-तरह	—	अपने मित्र को अस्पताल में देख मुझे तरह-तरह के विचार आने लगे।
रुकते-रुकते	—	आँधी रुकते-रुकते तेज बारिश भी रुक गई।
उड़ते-उड़ते	—	उड़ते-उड़ते पत्ता तालाब में गिर गया।

7. (क) गोद, संख्या; (ख) घड़ा, शरीर; (ग) धन, कारण; (घ) पेड़ का पत्ता, छिलका; (ङ) एक फल, सामान्य; (च) लाभ, नतीजा; (छ) सजा, डंडा; (ज) समाधान, खेत जोतने का यंत्र

8.

अन	जान	अनजान	कार	ढाल	निढाल
	मुख	अनमुख		वस्त्र	निर्वस्त्र
	कहा	अनकहा		जन	निर्जन

9. (क) स्त्रीलिंग; (ख) पुल्लिंग; (ग) पुल्लिंग; (घ) पुल्लिंग; (ङ) स्त्रीलिंग

10. (क) तालाब था; (ख) उदास रहने लगा; (ग) महान है; (घ) खुश हुई; (ङ) चलने लगी

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-3

1. (क) i; (ख) ii; (ग) iii

2. (क) जुलाहा धन कमाने शहर गया।

(ख) छींके पर घी की मटकी रखी थी।

(ग) आँधी ने बगीचा तहस-नहस किया।

3. (क) सजा, डंडा; (ख) पत्र, पर्ण; (ग) फल, सामान्य; (घ) लाभ, नतीजा

4. (क) झपकी; (ख) दिल्ली; (ग) टींका; (घ) मम्मा

5. (क) ऊँटनी; (ख) जुलाहिन; (ग) मालकिन; (घ) दुल्हन; (ङ) पति; (च) हथिनी

पाठ-13 एक पते की बात

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i; (घ) ii

3. (क) संत ने सेठ से; (ख) सेठ ने संत से; (ग) सेठ की पत्नी ने सेठ से;

4. (क) संतप्त; (ख) नौकरी; (ग) छिपता-छिपाता; (घ) अभिमान

5. (क) घर के मुखिया को यह अभिमान हो गया था कि उसी से घर का खर्चा चलता है, उसके बिना घर के लोग भूखे मर जाएँगें।

(ख) संत कह रहे थे कि "दुनिया में किसी के बिना किसी का काम नहीं रुकता। ये अभिमान व्यर्थ है कि मेरे बिना परिवार या समाज ठहर जाएगा। सभी को अपने भाग्य के अनुसार प्राप्त होता है।"

(ग) घर के मुखिया के मरने की खबर संत ने फैलायी।

(घ) एक सेठ ने उसके बड़े लड़के को अपने यहाँ नौकरी दे दी। गाँववालों ने मिलकर लड़की की शादी कर दी। एक व्यक्ति छोटे बेटे की पढ़ाई का खर्च देने को तैयार हो गया। इस प्रकार लोगों ने शोक-संतप्त परिवार की सहायता की।

(ङ) जब घर का मुखिया कुछ समय पश्चात लौटकर वापस आया और उसके घरवालों ने उससे कहा कि "हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। अब हम पहले से ज्यादा सुखी हैं" तो यह सुनकर घर के मुखिया का अभिमान चूर-चूर हो गया।

6.

हक्का-बक्का होना	बहुत भूख लगना
पेट में चूहे कूदना	एकदम अनपढ़
बाएँ हाथ का खेल	हैरान रह जाना
घी के दीये जलाना	अत्यंत सरल काम
काला अक्षर भैंस बराबर	खुशियाँ मनाना

7. (क) धोखा, दरवाजा; (ख) भेद, भीतर; (ग) उचित, ऊपर दिया; (घ) कार्य, संख्या

8. (क) अस्वस्थ; (ख) उपजाऊ; (ग) प्रसन्न; (घ) लघु; (ङ) सुख; (च) शोर

9. (क) दुख, कष्ट, व्यथा; (ख) खग, पक्षी, नभचर; (ग) चुप, शांत, नि:शब्द

10. (क) चहचहाहट; (ख) सरसराहट; (ग) गुनगुनाहट; (घ) थरथराहट; (ङ) फड़फड़ाहट; (च) तिलमिलाहट

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 बच्चे और ट्रेन

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii

3.

पतली-पतली	चलती है।
छुक-छुक करके	बातें करती है।
सनसन चाल	पटरी पे
हवा से	निराली इसकी

4. (क)

(ख)

(ग)

5. (क) कुतरना; (ख) दिवाली; (ग) न्यारी; (घ) दिखाए; (ङ) मेवा; (च) ढपली

6. र रेल, रेत, रात

(ङ) सर्प, दर्पण, वर्षा

(च) फ्रॉक, ग्रह, चक्र

7. (क) ध् + उ + आँ; (ख) ट् + अ + र + ए + न + अ; (ग) स् + अ + र् + द् + ई; (घ) व् + अ + र् + अ + ष + आ

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 गोटू और मोटू

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) iii; (ग) ii; (घ) iii

3. (क) करतब; (ख) तालियाँ; (ग) साबुन; (घ) संतुलन

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) गोटू और मोटू सरकस में काम करते थे।

(ख) गोटू हवा में साबुन के बुलबुले उड़ा रहा था। उसने अचानक साबुन वाला पानी ज़मीन पर उड़ेल दिया। फिर जैसे ही मोटू बुलबुले को पकड़ने के लिए ऊपर की ओर कूदा, फिसलकर गिर गया।

(ग) गोटू को सबक सिखाने के लिए मोटू ने गोटू की कमीज़ के पीछे पूड़ियों को लटका दिया जिससे कुत्ते उसके पीछे पड़ गए।

(घ) गोटू से मोटू ने उसके साथ मज़ाक करने के कारण माफ़ी माँगी।

6. (क) कोशिश; (ख) सबक; (ग) सरक

7. (क) छोटा; (ख) रोना; (ग) मोटा; (घ) दिन

8. (क) कुत्ते; (ख) कमीज़ें; (ग) पूड़ियाँ; (घ) सीढ़ियाँ

9. (क) वे दोनों अच्छे मित्र थे।

(ख) मोटू को बहुत चोट आई थी।

(ग) दोनों जोकर दर्द से चिल्ला रहे थे।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-4

1. (क) ii; (ख) ii; (ग) iv

2. (क) संत ने घर के मुखिया के मरने की खबर फैला दी।

(ख) छुक-छुक करती रेल चलती है।

(ग) सरकस का नाम डंबो था।

3. (क) कुत्ते; (ख) कमीज़ें; (ग) पूड़ियाँ; (घ) सीढ़ियाँ

4. (क) ध् + उ + आँ; (ख) ट् + अ + र + ए + न + अ; (ग) स् + अ + र् + द् + ई; (घ) व् + अ + र् + अ + ष + आ

5. (क) अस्वस्थ; (ख) उपजाऊ; (ग) प्रसन्न; (घ) लघु; (ङ) सुख

पाठ-16 खिलौनों की दुनिया

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) iv; (घ) ii

3. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗

4. (क) दुकान बंद होने पर सारे खिलौने अपने-अपने डिब्बों से बाहर निकल जाते हैं।

(ख) शोभना ने गुड़िया खिड़की के बाहर फेंक दी।

(ग) सोनिया गुड़िया को उठाकर लाई।

(घ) बैरलीना ने बताया कि उस घमंडी लड़की शोभना ने उसे इतना जोर से फेंका कि उसका अंग-अंग दुख गया। उसे बाहर की दुनिया बहुत बुरी लगी।

5. (क) नौकरानी; (ख) गुड्डा; (ग) मालकिन; (घ) बेटा; (ङ) मम्मी; (च) हिरन

6. (क) मालिक आपने याद किया और मैं हाजिर।

(ख) क्या तुम मेरी ढपली के साथ नृत्य करोगी?

(ग) कोई सुंदर-सी गुड़िया दिखाओ।

7. (क) मेरी मदद करने के लिए शुक्रिया।

(ख) अरे! तुम कैसे गिर गए।

(ग) यह उलट-पुलट कर क्या देख रहे हो?

(घ) शोभना बहुत घमंडी लड़की थी।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 मीठी बोली, कड़वी बोली

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) i; (घ) i

3. (क) चिड़िया ने पेड से; (ख) चिड़िया ने घास से; (ग) कौवे ने पेड़ से; (घ) घास ने पेड़ से

4.

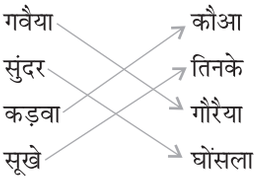

5. (क) चिड़िया का गाना सुनकर पेड़ बहुत खुश हो गया और उसने कहा, "मेरी डालों के बीच में एक जगह है, गौरैया बहन वहाँ तुम घोंसला बना लो।"

(ख) चिड़िया ने घास से तिनके माँगे।

(ग) चिड़िया ने चार अंडे दिए।

(घ) कौए ने पेड़ से कहा कि "ऐ पेड़, तूने गौरैया को जगह दी, मुझे भी घोंसला बनाने के लिए जगह दे।"

(ङ) पेड़ ने चिड़िया को घोंसला बनाने की जगह दी लेकिन कौए को नहीं दी क्योंकि चिड़िया ने प्यार से मीठा बोलकर पेड़ से विनती की जबकि कौवे ने कड़वा बोलकर जगह माँगी।

(च) यह कहानी हमें यह संदेश देती है कि हमें सदैव मीठा बोलना चाहिए।

6. (क) ग् + औ + र् + ऐ + य् + आ; (ख) घ् + ओ + अं + स् + अ + ल् + आ; (ग) त् + इ + न् + अ + क् + आ; (घ) व् + इ + न् + अ + त् + ई; (ङ) भ् + अ + द् + द् + आ

7. (क) काला कौवा देखने में बहुत भद्दा था।

(ख) कोयल मीठा गीत गाती है।

(ग) करेला बहुत कड़वा होता है।

(घ) मैने अपने पिता से खिलौने दिलाने की विनती की।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-2

1. (क) i; (ख) iv; (ग) iv; (घ) ii
2. (क) गोटू हवा में साबुन के बुलबुले उड़ा रहा था। उसने अचानक साबुन वाला पानी ज़मीन पर उड़ेल दिया। फिर जैसे ही मोटू बुलबुले को पकड़ने के लिए ऊपर की ओर कूदा, फिसलकर गिर गया।
   (ख) सोनिया गुड़िया उठाकर ले आई।
   (ग) कौए ने पेड़ से कहा कि "ऐ पेड़ तूने गौरैया को जगह दी, मुझे भी घोंसला बनाने के लिए जगह दे।"
   (घ) बैरलीना ने बताया कि उस घमंडी लड़की शोभना ने उसे इतना जोर से फेंका कि उसका अंग-अंग दुख गया। उसे बाहर की दुनिया बहुत बुरी लगी।
   (ङ) पेड़ ने चिड़िया को घोंसला बनाने की जगह दी लेकिन कौए को नहीं दी क्योंकि चिड़िया ने प्यार से मीठा बोलकर पेड़ से विनती की जबकि कौवे ने कड़वा बोलकर जगह माँगी।
3. 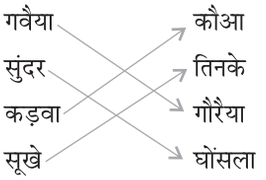

4. (क) संतुलन; (ख) अभिमान; (ग) तालियाँ
5. 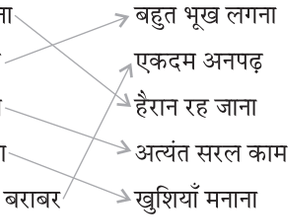

6. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗
7. (क) नौकरानी; (ख) मालकिन; (ग) गुड्डा; (घ) बेटा
8. (क) काला कौवा देखने में बहुत भद्दा था।
   (ख) कोयल मीठा गीत गाती है।
   (ग) करेला बहुत कड़वा होता है।
   (घ) मैने अपने पिता से खिलौने दिलाने की विनती की।
9. (क) वह पूरी तरह स्वस्थ हो गई
   (ख) मैं घंटीधारी मालिक का दुलारा हूँ।
   (ग) तुम हमसे दूर-दूर क्यों रहते हो?
10. (क) एक बहुत बड़ा तालाब था।
    (ख) पत्ता काफ़ी उदास रहने लगा।
    (ग) चींटी किनारे पर पहुँचकर बहुत खुश हुई।

BOOK-4

पाठ-1 ओस

खंड-अ

1. (क) मोती की लडियाँ।
   (ख) ओस की बूँदों को।
   (ग) दीपावली निराली।
2. (क) iii; (ख) iii; (ग) iii
3. बड़े सवेरे ---------- यह दीवाली?

   व्याख्या—फूल पत्तियों पर ओस की बूँदों को देखकर कवि कहता है कि इतनी सुबह-सुबह कौन खुशी में दीवाली मना रहा है।

   वन-उपवन ---------- दीपावली निराली?

   व्याख्या—कवि कहता है-जंगल, बगीचों में किसने ये सुन्दर दीपावली जला दी है।
4. (क) हीरे-मोती जैसी।
   (ख) कवि कहता है कि जी चाहता है इन ओस के कणों को दोनों हाथों में लेकर इन्हें घर ले जाऊँ।
   (ग) कवि चाहता है कि वह ओस की बूँदों की सुंदरता को बहुत ही नजदीक से देखे और उस पर कविता लिखे।
5. (क) ठंडी; (ख) काले; (ग) रंग-बिरंगी; (घ) प्राचीन; (ङ) स्वादिष्ट
6. (क) रात्रि, रजनी, निशा; (ख) भवन, गृह, आवास; (ग) पुष्प, सुमन, कुसुम; (घ) बगीचा, वाटिका, उद्यान

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 चाँद वाली अम्मा

खंड-अ

1. (क) झाड़ू लगाती थी।
   (ख) आसमान अपनी आदत से मजबूर था।
   (ग) अम्मा कुएँ पर पानी भरने के लिए गयी।
2. (क) i; (ख) iv; (ग) i; (घ) iii
3. (क) कामकाज; (ख) कमर; (ग) क्रम; (घ) गुस्से
4. 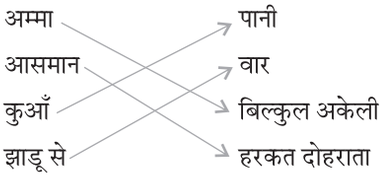

5. (क) अम्मा सुबह उठकर कुएँ से पानी लाना, खाना बनाना आदि काम करती थी।

(ख) अम्मा को आसमान परेशान करता था। जब भी अम्मा आँगन में झाड़ू लगाने के लिए झुकती तभी आसमान आकर उसकी कमर से टकराता।

(ग) अम्मा पानी लेने के लिए कुएँ पर गई तो पनी भरने को लेकर अम्मा का किसी और से झगड़ा हो गया।

(घ) अम्मा ने आसमान पर वार किया। अम्मा गुस्से में थी। जैसे ही झाड़ू उठाकर अम्मा आँगन में झुकी और आसमान आकर अम्मा की कमर से टकराया, अम्मा ने उस पर झाड़ू से वार किया।

(ङ) अम्मा झाड़ू इसलिए नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि अम्मा के पास एक ही झाड़ू थी।

(च) आसमान बहुत शरारती था। वह अम्मा की कमर से टकराकर अम्मा को परेशान करना चाहता था।

6. (क) अन्नदाता; (ख) चप्पल; (ग) गुस्सा; (घ) मदद; (ङ) अम्मा; (च) टक्कर

7. (क) अम्मा; (ख) मजबूर; (ग) झाड़ू; (घ) चाँद

8. (क) जवान; (ख) शाम; (ग) ज्यादा; (घ) नीचे

9. एक दिन कुएँ पर पानी भरने को लेकर अम्मा का किसी और से झगड़ा हो गया। अम्मा जरा गुस्से में थी। वह झाड़ू उठाकर आँगन में गई और जैसे ही झुकी, आसमान ने अपनी आदत अनुसार उसे फिर छेड़ा।

10. (क) अम्मा घर का कामकाज स्वयं करती थी।

(ख) अम्मा सुबह को कुएँ पर पानी भरने जाती थी।

(ग) आसमान बहुत शरारती था।

(घ) आज तक बूढ़ी अम्मा झाड़ू पकडे चाँद पर बैठी है।

खंड (ब)

बूढ़ी अम्मा के काम	मेरे घर में कौन रहता है
झाड़ू लगाना	मम्मी
कुएँ से पानी लाना	पापा
खाना बनाना	बहन

मेरे पिता– मेरे पिता मुझे घूरकर देखते हैं जब मैं परीक्षा में फेल हो जाता हूँ।

मेरे शिक्षक– मेरे शिक्षक मुझे घूरकर देखते हैं जब मैं नहीं पढ़ता।

मेरी बहन/मेरा भाई– मेरी बहन मुझे घूरकर देखती है जब मैं उसका काम नहीं करता हूँ।

पाठ-3 गल्लू सियार का लालच

खंड-अ

1. (क) गल्लू और मल्लू।

(ख) मल्लू सीधा-साधा और भोला सियार था।

(ग) गल्लू एक नंबर का धूर्त और चालबाज सियार था।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✗

4. (क) गल्लू सियार ने।

अपने भाई मल्लू सियार से।

वह जंगल के राजा को मारकर स्वयं राजा बनना चाहता था।

(ख) मल्लू सियार ने।

गल्लू सियार से।

गल्लू-मल्लू को अपनी योजना में शामिल करना चाहता था इसलिए वह उसे महामंत्री के पद का लालच दे रहा था।

5. (क) मल्लू सियार सीधा सादा और भोला सियार था जबकि गल्लू सियार एक नंबर का धूर्त और चालबाज सियार था।

(ख) तब गल्लू ने दरवाजा खटखटाया। मल्लू ने दरवाजा खोला। जैसे ही गल्लू अन्दर आने के लिए घुसा मल्लू ने दरवाजा बन्द कर दिया।

(ग) गल्लू नहाकर अपने भाई मल्लू सियार के पास पहुँचा।

(घ) जब गल्लू नदी पर नहाने के लिए गया तो उसने वहाँ देखा कि कोई भी जानवर उससे नहीं डर रहा था। जैसे ही उसने नदी में नहाने के लिए चादर उतारी तो सभी जानवर उसे देखकर डर के भाग गए।

(ङ) गल्लू ने अपने भाई को महामंत्री के पद का लालच दिया।

(च) मल्लू ने अपने राजा की जान अपने भाई की जान देकर बचाई।

(छ) अंत में मल्लू ने चादर को जला दिया।

6.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मल्लू	राजा	खुशबू
गल्लू	नदी	जादू
अजय	जानवर	स्वतंत्रता

7. (क) जंगल; (ख) पाँव; (ग) ठंड; (घ) माँद; (ङ) बनूँगा; (च) स्वतंत्रता; (छ) चौंक; (ज) आँख

8. (क) राम के घर में बहुत बड़ा चौक है।

शेर चौंककर उठ गया।

(ख) गल्लू ने मल्लू को महामंत्री का पद देने का लालच दिया।

गल्लू को जंगल के पथ में एक चादर मिली।

(ग) गल्लू सियार ने शेर को लात मारकर उठा दिया।

मित्रता की मुरझाई लता फिर हरी हो गई।

9. रास्ता, रात, रात्रि

प्रशंसा, प्रतिज्ञा, प्रतिष्ठा

पर्स, शर्त, हर्ष

10. (क) दरवाजे; (ख) चादरें; (ग) नदियाँ; (घ) रास्ते

खंड (ब)

(क) जिस व्यक्ति का पर्स होगा उसे वापस कर देंगे।

(ख) चॉकलेट उठाकर कूड़े में डाल देंगे।

(ग) जिस व्यक्ति की सोने की चेन होगी उसे वापस कर देंगे।

(घ) जिस व्यक्ति की होगी उसे वापस कर देंगे।

कहानी

एक कुत्ता रास्ते में जा रहा था। उसे रास्ते में एक हड्डी पड़ी मिली। उसने उस हड्डी को उठा लिया और आगे चल दिया। आगे एक नदी थी। वह जब उस नदी के पुल पर पहुँचा तो उसने पानी में अपनी परछाई देखी और वह दूसरे कुत्ते को समझकर उस पर भोंकने लगा। जैसे ही कुत्ता भोंकने लगा उसके मुँह से से हड्डी निकल गई और पानी में बह गई।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

1. (क) iii; (ख) iv; (ग) ii
2. (क) कवि को सुबह की ओस हीरे-मोती जैसी प्रतीत होती है।
   (ख) अम्मा को आसमान परेशान करता था। जब अम्मा आँगन में झाड़ू लगाने के लिए झुकती तो वह अम्मा की कमर पर टक्कर मारता।
   (ग) मल्लू सीधा-सादा और भोला सियार था जबकि गल्लू एक नंबर का धूर्त और चालबाज था।
   (घ) अंत में मल्लू ने चादर को जला दिया।
3. र — रास्ता, रात, रात्रि
   ्र — प्रशंसा, प्रतिष्ठा, प्रहार
   र्‍ — शर्त, हर्ष, कर्म
4. (क) जंगल; (ख) पाँव; (ग) ठंड; (घ) माँद; (ङ) बनूँगा; (च) स्वतंत्रता
5. (क) रात्रि, रजनी, निशा; (ख) गृह, भवन, आवास

पाठ-4 लेखनी की आत्मकथा

खंड-अ

1. (क) लेखनी का दूसरा नाम 'कलम' है। अंग्रेजी में इसे 'पेन' बोलते हैं।
   (ख) मनुष्य ने कलम का सिर काटकर उसे नुकीला बना दिया।
   (ग) लोगों की भलाई करना लेखनी का कर्तव्य है।
2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii
3. (क) नुकीला; (ख) स्वरूप; (ग) कर्तव्य; (घ) सुख-समृद्धि, समर्पित; (ङ) कुसंगति
4.

अंग्रेजों ने मेरा नाम	हृदय से लगाए रखते हैं।
सभी मुझे अपने	दु:ख सहन किए।
वहाँ तो मेरा	पेन रख दिया।
मैंने बहुत	दम ही घुटने लगा।

5. (क) उसे अपने मातृ पौधे से काटकर अलग कर दिया, उसका सिर भी काट दिया, उसे छील-छीलकर नुकीला बना दिया आदि उसने यातनाएँ सहन कीं।
   (ख) जब लेखनी को हरी, लाल, नीली स्याही में डुबो दिया तब उसका दम घुटने लगा।
   (ग) आधुनिक लेखनी में प्लास्टिक की रिफिल होती है जबकि प्राचीन लेखनी में रबड़ की थैली में स्याही भरी रहती थी।
   (घ) लेखनी की यह विशेषता है कि यदि लेखनी न होती तो हमारे उपन्यास, कहानियाँ, नाटक, निबंध, इतिहास और कोश आदि कैसे लिखे जाते।
   (ङ) लेखनी की हार्दिक इच्छा है कि संसार के सभी लोग उसका उपयोग करें।
6.

यौगिक शब्द	वाक्या-प्रयोग
सुविधानुसार	मनुष्य ने अपनी सुविधानुसार लेखनी का स्वरूप बदल दिया।
विद्यार्थी	विद्यार्थी लेखनी को हृदय से लगाकर रखते हैं।
विद्यालय	विद्यालय, कचहरी आदि में लेखनी द्वारा कार्य किया जाता है।
इच्छानुसार	मनुष्य अपनी इच्छानुसार लेखनी का उपयोग करते हैं।

7. (क) सुविधानुसार; (ख) आदेशानुसार; (ग) इच्छानुसार; (घ) रेखांकित
8. (क) दु:ख; (ख) चतुर; (ग) समाधान; (घ) संगति; (ङ) नीचा; (च) हानि; (छ) अपमान; (ज) परिचित; (झ) बुराई; (ञ) पराया
9. (क) स्वार्थि; (ख) इतिहास; (ग) स्याही; (घ) समर्पित; (ङ) कर्त्तव्य; (च) विद्यालय; (छ) उपन्यास; (ज) स्पर्श
10. (क) मैं लेखनी हूँ।
    (ख) फिर मुझे हरी स्याही में डुबो दिया।
    (ग) मैं सारी यातनाएँ चुपचाप सहन करती हूँ।
    (घ) मैं देखने में छोटी जरूर हूँ लेकिन मेरा काम बहुत बड़ा है।
    (ङ) मनुष्यों के हर सुख-दु:ख में हमेशा मैं उनका साथ देती हूँ।

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

खंड-अ

1. (क) कवि कविता में चाँद के बारे में बता रहा है।
   (ख) जब चाँद घटता है तो घटता चला जाता है तथा जब बढ़ता है तो बढ़ता चला जाता है।
   (ग) चाँद के घटने व बढ़ने की बीमारी को कवि अच्छा नहीं मानता। यदि उसे यह बीमारी न होती तो कवि चाँद से शादी कर लेता।
2. (क) iv; (ख) iii; (ग) i
3.

गोल हैं खूब मगर	घटते ही चले जाते हैं।
तारों-जड़ा	जब तक बिल्कुल ही गोल न हो जाएँ।
आप घटते हैं तो	आप तिरछे नज़र आते हैं ज़रा।
दम नहीं लेते हैं	सिर्फ मुँह खोले हुए हैं अपना।

4. (क) चाँद तारों-जड़ा पूरा आकाश पहने हुए है।
   (ख) कवि ने चाँद का चेहरा गोरा-चिट्टा, गोल मटोल बताया है।
   (ग) चाँद घटता है तो घटता चला जाता है और यदि बढ़ता है तो बढ़ता चला जाता है। चाँद को यह बीमारी है जिसे कवि अच्छा नहीं बता रहा है।
   (घ) कवि का तात्पर्य है कि सिर्फ आपका मुँह नजर आता है। आप तारों-जड़ा पूरा आकाश पहने हुए हैं।
5. (क) चाँद गोल है पर ज़रा तिरछा नजर जाता है।
   ज़रा में माता-पिता का सहारा बनना चाहिए।
   (ख) कुल का गणित में विशेष महत्त्व है।
   नदी के कूल पर बच्चों को नहीं खेलना चाहिए।
6. (क) मातृत्व; (ख) दानवता; (ग) लड़कपन; (घ) यौवन; (ङ) बचपन; (च) नौकरी

7. (क) फ् + ऐ + ल् + आ + ए; (ख) ब् + उ + द् + ध् + ऊ; (ग) प् + ओ + श् + आ + क् + अ; (घ) श् + आ + द् + ई

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 बूँद-बूँद से घट भरता है

खंड-अ

1. (क) रोहन बहुत शरारती लड़का था।

(ख) मोहल्ले के लोग रोहन से परेशान थे।

(ग) रोहन ने टी० वी० पर हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी जी का देश को स्वच्छ रखने का विज्ञापन देखा।

2. (क) iii; (ख) i; (ग) ii; (घ) i

3. (क) झगड़ा; (ख) पढ़ाई; (ग) स्वच्छता अभियान; (घ) शरारत

4.

टी० वी०	विज्ञापन
रोहन	शरारती
प्रधानमंत्री	मोदी
स्वच्छता	अभियान

5. (क) उसने निश्चय किया कि अब वह भी मोदी जी के स्वच्छता अभियान से जुड़ेगा।

(ख) स्वच्छता अभियान में रोहन की मदद सबसे पहले मोहल्ले के एक व्यक्ति ने की।

(ग) लोगों को लगा कि इसमें भी रोहन की कोई शरारत होगी और वह उनको परेशान करने के लिए बोल रहा है।

(घ) मोदी जी के स्वच्छता अभियान का आशय अपने घर, मोहल्ले, क्षेत्र तथा देश को स्वच्छ रखने से है।

6. (क) स्वच्छता; (ख) प्रसन्नता; (ग) सुंदरता; (घ) सामाजिकता

7. (क) मैं; (ख) अपने आप; (ग) वह; (घ) उसका

8. (क) रोहन यह सब जोश में आकर करेगा।

(ख) रोहन पढ़ाई और खेलकूद में बहुत अच्छा है।

(ग) अपने आप शांत हो गया था।

(घ) लोग रोहन की बातें सुनकर हँसेंगे।

9. (क) अ + भ + इ + य + आ + न + अ; (ख) म + ओ + ह् + अ + ल + ल + आ; (ग) श् + अ + र् + आ + र् + अ + त + अ; (घ) स् + व् + अ + च् + छ् + अ + त् + आ; (ङ) न् + इ + श् + च् + अ + य् + अ

10. (क) प्रधानमंत्री; (ख) डाँटा

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-7 ज्ञान मार्ग

खंड-अ

1. (क) तीन राजकुमार थे।

(ख) राजकुमार गुरुकुल में अपनी पढ़ाई पूरी करके आ रहे थे।

(ग) 'कौन तीनों में सबसे ज्यादा ज्ञानी है' इस बात को लेकर तीनों राजकुमारों में बहस छिड़ गई।

2. (क) i; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) राजकुमार-1 ने।

राजकुमार-2 से।

क्योंकि राजकुमार-2 ने कहा था कि ज्ञान का परिचय ज्ञानी को दिया जाता है मूर्खों को नहीं।

(ख) राजकुमार-2 ने।

राजकुमार-1 से।

क्योंकि वह ज्ञान से उस शेर की खाल में प्राण डाल रहा था।

4. (क) 'तीनों में सबसे ज्यादा ज्ञानी कौन है।' इस विषय पर राजकुमारों में विवाद छिड़ गया।

(ख) दूसरे राजकुमार ने देखकर यह बताया कि ये हड्डियाँ शेर की हैं।

(ग) तीसरे राजकुमार ने अपने ज्ञान से उन हड्डियों पर मांस , उनमें रक्त तथा मांस के ऊपर खाल मढ़ दी।

(घ) राजकुमारों ने अपने गुरुजी की सहायता माँगी।

(ङ) तीनों राजकुमारों को अपने ज्ञान पर अहंकार था।

5. (क) सेठानी; (ख) राजकुमारी; (ग) रानी; (घ) माता; (ङ) वीरांगना; (च) नर्तकी; (छ) नेत्री; (ज) छात्रा

6.

- क्ष क्षमा, क्षत्रिय, क्षमता
- त्र त्रिशूल, त्रिमूर्ति, त्रिलोक
- ज्ञ ज्ञानी, ज्ञानेश्वर, ज्ञान
- श्र श्रमिक, श्रम, श्रुति

7. (क) सुविचार; (ख) कुमारी; (ग) आविष्कार; (घ) अनिवार्य; (ङ) प्रयोग; (च) विश्राम; (छ) नारंगी; (ज) लालच

8. (क) हमें कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।

डाल पर कोयल बैठती है।

(ख) शेर राजकुमारों के पास आ गया।

राम परीक्षा में पास हो गया।

9. (क) नौकर, दास, परिचारक; (ख) शिक्षक, बड़ा, सदुपयोगक; (ग) सिंह, जंगल का राजा, पशुराज

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

1. (क) iv; (ख) ii; (ग) iii

2. (क) जब लेखनी को हरी, नीली, लाल स्याही में डुबो दिया तब लेखनी का दम घुटने लगा।

(ख) कवि का तात्पर्य है कि सिर्फ आपका मुँह नजर आता है। आप तारों-जड़ा पूरा आकाश पहने हुए हैं।

(ग) तीसरे राजकुमार ने अपने ज्ञान से हड्डियों पर मांस, मांस में रक्त तथा मांस पर खाल मढ़ दी।

(घ) राजकुमारों ने अपने गुरुजी से सहायता माँगी।

(ङ) तीनों राजकुमारों को अपने ज्ञान पर अहंकार था।

3. (क) दुःख; (ख) चतुर; (ग) समाधान; (घ) सुसंगति; (ङ) नीचा; (च) हानि

4. (क) रोहन यह सब जोश में आकर करेगा।

(ख) रोहन पढ़ाई और खेलकूद में बहुत अच्छा है।

(ग) अपने आप शांत हो गया था।

5. (क) नौकर; दास, परिचारक; (ख) शिक्षक, बड़ा, सदुपयोगक

पाठ-8 सैर

खंड-अ

1. (क) मौसम सुहावना था।

(ख) माँ रसोई में बेसिन में बर्तन धो रही थीं।

(ग) मुन्नी मन्नू की बहन थी।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) i; (घ) ii

3. (क) मन्नू ने माँ से; (ख) माँ ने मन्नू से; (ग) बाबा ने मुन्नी से; (घ) मन्नू ने मुन्नी से

4.

बाबा ने	मज़ेदार था।
मौसम अभी भी	एक पुल था।
सफर	कार मोड़ी।
नहर के ऊपर	बढ़िया था।

5. (क) मन्नू घूमने जाना चाहता था।

(ख) सभी लोग घूमने गाँधी पार्क गए।

(ग) पार्क में चारों तरफ हरियाली थी। बहुत से पेड़ थे। एक बड़ा सा बाग था। एक नदी थी जिसके ऊपर पुल था। एक तरफ फूलों की क्यारियाँ थीं जिनके ऊपर तितलियाँ उड़ रही थीं एक फिसलपट्टी वाला झूला था तथा गाँधी जी की मूर्ति थी।

(घ) मन्नू एक फिसलपट्टी वाले झूले के ऊपर झूला और मुन्नी ने नदी के ऊपर पुल के ऊपर चढ़कर एक बाग देखा तथा फूलों की क्यारियों के ऊपर उड़ रही तितलियों को पकड़ा।

6. (क) थोड़ी दूरी पर झूले लगे थे।

(ख) घर नहीं चलना है क्या?

(ग) गाँधी जी की मूर्ति भी थी।

7.

मज़ेदार	पिपरमिंट
ठंडी-ठंडी	बाग
सुहावना	हवा
मीठी	रास्ता
बड़ा-सा	मौसम

8. (क) आसमान; (ख) कार्यक्रम; (ग) रसोई; (घ) गिलास; (ङ) गाँधी; (च) तितली; (छ) पार्क; (ज) मजेदार

9. (क) आज का मौसम बड़ा सुहावना है।

(ख) पार्क में चारों तरफ हरियाली थी।

(ग) मुन्नी घूमते-घूमते थक गई।

(घ) मुन्नी ने अजीब से कपड़े पहने थे।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-1

1. (क) iii; (ख) iii; (ग) i; (घ) i

2. (क) कमर; (ख) स्वरूप; (ग) पढ़ाई; (घ) कुसंगति

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

4. (क) अम्मा ने वार आसमान पर किया। अम्मा झाड़ू उठाकर जैसे ही झुकी आसमान आकर अम्मा की कमर से टकराया और अम्मा ने उस पर झाड़ू से वार किया।

(ख) उसे अपने मातृ पौधे से काटकर अलग कर दिया, उसका सिर भी काट दिया तथा उसे छील-छीलकर नुकीला बना दिया। आदि उसने यातनाएँ सहन कीं।

(ग) चाँद को यह बीमारी थी कि वह घटता तो घटता जाता और यदि वह बढ़ता तो बढ़ता जाता जब तक कि वह बिल्कुल गोल न हो जाए।

(घ) पार्क में मन्नू एक फिसलपट्टी वाले झूले के ऊपर झूला तथा मुन्नी ने नदी के पुल के ऊपर से एक बड़ा बाग देखा तथा एक तरफ फूलों की क्यारियों के ऊपर उड़ रही तितलियों को पकड़ा।

5.

अम्मा	पानी
आसमान	वार
कुआँ	बिल्कुल अकेली
झाड़ू से	हरकत दोहराता

6. (क) हमेशा कूड़ा कूड़ेदान मे डालना चाहिए।

डाल पर कोयल बैठती है।

(ख) शेर राजकुमारों के पास आने लगा।

राम परीक्षा में पास हो गया।

7. (क) स्वार्थी; (ख) इतिहास; (ग) स्याही; (घ) समर्पित

8. (क) थोड़ी दूरी पर झूले लगे थे।

(ख) घर नहीं चलना है क्या?

(ग) गांधी जी की मूर्ति भी थी।

9. (क) रात्रि, रजनी, निशा; (ख) भवन, आवास, गृह; (ग) पुष्प, सुमन, कुसुम; (घ) बगीचा, उद्यान, वाटिका

10. (क) रोहन यह सब जोश में आकर करेगा।

(ख) रोहन पढ़ाई और खेलकूद में बहुत अच्छा है।

(ग) अपने आप शांत हो गया।

पाठ-9 तेनालीराम का इम्तिहान

खण्ड-अ

1. (क) तेनालीराम की।

(ख) विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय को।

(ग) आम का।

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) i; (घ) iii

3. (क) बादशाह, दरबारियों; (ख) तेनालीराम; (ग) अशर्फियों; (घ) खजाना

4. (क) बादशाह ने।

दरबारियों से।

वह तेनालीराम की परीक्षा लेना चाहते थे।

(ख) बादशाह ने।

बूढ़े व्यक्ति से।

क्योंकि वह आम का पेड़ लगा रहा था।

(ग) बादशाह ने।

दरबारी से।

क्योंकि बादशाह ने बूढ़े व्यक्ति को तीन थैली दे दी थीं।

5. (क) तेनालीराम को बुलाया क्योंकि तेनालीराम की हाजिरजवाबी और अक्लमंदी बेमिसाल है। बाबर इस बात की सत्यता परखना चाहता था।

(ख) कि यदि तुम पुरस्कार ले आए तो मैं भी तुम्हें एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ दूँगा और अगर तुम पुरस्कार प्राप्त न कर सके तो मैं तुम्हारा सिर मुँडवाकर दरबार से बाहर निकाल दूँगा।

(ग) सोलहवें दिन से तेनालीराम ने दरबार में जाना छोड़ दिया।

(घ) क्योंकि उस इलाके में आम के पेड़ कम पाये जाते हैं।

(ङ) तेनालीराम ने बूढ़े व्यक्ति का वेश धारण किया और जिस रास्ते से बादशाह सैर के लिए निकले उस रास्ते के किनारे आम का पेड़ लगाने लगा। जब बादशाह ने उसे देखा और पूछा–कि तुम ये क्या कर रहे हो तो बूढ़ा बोला, मैं आम का पेड़ लगा रहा हूँ क्योंकि इस इलाके में आम के पेड़ कम है इसलिए बिक्री अधिक होगी।'' बादशाह ने कहा–लेकिन आपकी उम्र काफी अधिक है, जब तक ये आम का पेड़ बड़ा होगा तब तक आप नहीं होंगे। बूढ़ा व्यक्ति बोला–मेरे अब्बाजान ने पेड़ लगाया था जिसके फल मैंने खाये थे। अब मैं पेड़ लगा रहा हूँ जिसके फल कोई और खाएगा। यह बात सुनकर बादशाह बहुत खुश हुआ और बूढ़े व्यक्ति को एक थैली अशर्फियों की दी। फिर बूढ़े ने कहा–लोग तो पेड़ के बड़े फल खाएगें। मुझे तो पेड़ लगाने पर ही फल मिल गया बादशाह ने फिर एक थैली अशर्फियों की दी। बूढ़ा फिर बोला–पेड़ के बड़े होने पर तब पेड़ एक साल में एक बार फल देगा पर आपने तो मुझे एक दिन में एक पेड़ लगाने के लिए दो बार थैली दे दी। बादशाह ने फिर एक थैली और दी। जब बादशाह जाने लगा तो बूढ़ा व्यक्ति बोला–एक पल इंतजार कीजिए और उसने अपने कपड़े उतार दिए। देखा तो तेनालीराम था। इस प्रकार तेनालीराम ने बादशाह से पुरस्कार प्राप्त किया।

6. (क) एक दिन बाबर रोज की तरह सैर करने निकला।

राम को एक सेर चावल दिए।

(ख) हँसना सेहत के लिए अच्छा होता है।

हंस एक सुंदर पक्षी है।

(ग) राम के पास बुक खरीदने के लिए 5 रुपये काफ़ी हैं।

राम ने एक कप कॉफी बनाई।

7. (क) खाया, खाता है, खाएगा; (ख) गया, जाता है, जाएगा; (ग) सुना, सुनता है, सुनेगा; (घ) पढ़ा, पढ़ता है, पढ़ेगा

8. (क) नृप, शासक, एक उपाधि; (ख) आम्र, रसराज, पिंकबंधु; (ग) वृक्ष, तरु, विटप; (घ) सेवक, दास, परिचारक

9. (क) बूढ़े; (ख) गड्डे; (ग) मुद्राएँ; (घ) थैलियाँ; (ङ) अशर्फियाँ (च) दरबारीगण

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-10 पतंग

खंड-अ

1. (क) कवि आसमान से थोड़ा नीला कागज लेने के लिए कह रहा है।

(ख) आटा माँ दे देगी।

(ग) कविता में पतंग बनाना सिखाया जा रहा है।

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii

3. (क) बाँस छीलकर मोड़ो उसको।

(ख) लेई लगाकर जोड़ो सबको।

(ग) दाएँ रखकर सूरज चाँद।

(घ) बाएँ पर तारे चिपकाओ।

4. (क) आसमान से नीला कागज लेकर, वनों से बाँस लेकर ठड्डे और कमानी लेकर, बाँस को छीलकर मोड़ो और सबको गोंद से चिपका दो, दाएँ की तरफ सूरज–चँदा तथा बाएँ की तरफ तारे चिपकाकर उसमें धागा बाँधकर आसमान में उड़ा दो।

(ख) तारों को।

(ग) कवि पाती में अपने मन की सारी बातें लिखने को कह रहा है।

5. (क) आकाश, अंबर, गगन; (ख) जंगल, बाग, फूलों का गुच्छा; (ग) जननी, माता, माई; (घ) नीर, सरोवर, जल; (ङ) दिनकर, भास्कर, रवि

6. (क) ज्यादा; (ख) छोटी; (ग) बाएँ; (घ) पास

7. ड डोरी, डोली, डाल

ड़ उड़ाओ, झाड़ू, टुकड़ा

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 ईमानदारी

खंड-अ

1. (क) स्वतंत्रता दिवस।

(ख) दादी की।

(ग) क्योंकि वह दादी से बहुत प्यार करता था।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) i

3. (क) शांति; (ख) स्वतंत्रता; (ग) विद्यार्थियों; (घ) विक्की

4. (क) स्कूल प्राचार्य ने।

अनुपस्थित बच्चों से।

क्योंकि स्वतंत्रता दिवस के दिन वह अनुपस्थित थे।

(ख) विक्की ने।

प्राचार्य से।

क्योंकि विक्की भी स्वतंत्रता दिवस पर अनुपस्थित था।

5. (क) क्योंकि उसकी दादी अस्पताल में थी।

(ख) क्योंकि बहुत बच्चे स्वतंत्रता दिवस पर अनुपस्थित थे।

(ग) कि मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो स्वतंत्रता समारोह के दिन अनुपस्थित थे।

(घ) कि यदि तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यह है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं

है। अगर अगली बार ऐसा हुआ तो स्कूल के रजिस्टर से तुम सबके नाम काट दूँगा।

(ङ) क्योंकि विक्की ने सच बोला था।

6. (क) गुलामी; (ख) सरल; (ग) प्रारंभ; (घ) स्वस्थ; (ङ) अनुपस्थित; (च) अशांत

7. (क) वह अभी वहीं हैं।

(ख) वह एकदम सुबह जग गया।

(ग) उनकी हालत काफ़ी खराब है।

(घ) वह रातोंरात चले गए।

8. (क) गुस्सा, रस्सी, अस्सी; (ख) कुत्ता, गत्ता, सत्ता; (ग) अन्ना, अन्न, सुन्न; (घ) अम्मा, हिम्मत, चम्मच; (ङ) टक्कर, विक्की, चक्कर

9. (क) प्राचार्या; (ख) माता; (ग) दादा; (घ) अध्यापिका

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 महानता के बीज

खंड-अ

1. (क) वह यूनान का विख्यात तत्वज्ञानी डेमोक्रीट्स था।

(ख) बड़ा होने पर बालक यूनान का महान् दार्शनिक पाइथागोरस बना।

(ग) हम जो भी कार्य करे एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से करें।

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) विद्वान; (ख) लगन, फुर्ती; (ग) पाइथागोरस

4. (क) यूनान देश के एक गाँव में रहता था।

(ख) वह जंगल में लकड़ियाँ काटकर शाम को उन्हें पास वाले शहर के बाजार में बेचकर अपना गुजारा करता था।

(ग) विद्वान व्यक्ति ने देखा कि लड़के ने यह कार्य बड़े ध्यान, लगन तथा फुर्ती से किया।

(घ) विद्वान व्यक्ति यूनान का विख्यात तत्वज्ञानी डेमोक्रीट्स था। वह उस लड़के को अपने साथ ले गया। उसके रहने और शिक्षा का प्रबन्ध किया।

(ङ) आगे चलकर वह लड़का यूनान के महान् दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

5. (क) क्या यह गट्ठर तुमने बाँधा है?

(ख) हमें छोटे-छोटे कार्य भी लगन एवं ईमानदारी से करने चाहिएँ।

(ग) जी हाँ, मैं दिनभर लकड़ी काटता हूँ।

(घ) उसने उस लड़के से कहा, ''क्या तुम मेरे साथ चलोगे?''

6. (क) दार्शनिक; (ख) व्यावहारिक; (ग) सामाजिक; (घ) पारिवारिक; (ङ) राजनीतिक; (च) स्वाभाविक

7.

आदमी	छोटे	रीति
ईमानदारी	तरीका	लगन
उसके	दिन	लकड़ी
कुशाग्र	बीज	शहर
गुजारा	महान्	शाम
		यूनान

8. (क) लड़का गट्ठर बहुत सुंदर तरीके से बाँधता था।

(ख) वह यूनान का महान् दार्शनिक पाइथागोरस बना।

(ग) वह यूनान का विख्यात तत्वज्ञानी था।

(घ) लड़का ईमानदारी से काम करता था।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-3

1. (क) ii; (ख) i; (ग) iii

2. (क) बाबर ने अपने दरबार में तेनालीराम को बुलाया क्योंकि तेनालीराम हाजिरजवाबी और अक्लमंदी में बेमिसाल है। इस बात की सत्यता परखने के लिए बुलाया।

(ख) आसमान से नीला कागज़, वनों से बाँस, ठड्डे और कमानी लेकर, बाँस को छीलकर मोड़ो और सभी को गोंद से चिपका दो। दाएँ तरफ सूरज-चंदा और बाएँ तरफ तारे चिपका दो। धागा बाँधकर पतंग आसमान में उड़ा दो।

(ग) यूनान देश के गाँव में।

(घ) आगे चलकर लड़का महान् दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

3. (क) बूढ़े; (ख) गड्ढे; (ग) मुद्राएँ; (घ) थैलियाँ

4. (क) अंबर, आकाश, गगन; (ख) जंगल, बाग, फूलों का गुच्छा; (ग) माता, जननी, माई; (घ) नीर, सरोवर, जल; (ङ) दिनकर, भास्कर, रवि

5. (क) गुलामी; (ख) सरल; (ग) आरंभ; (घ) स्वस्थ; (ङ) अनुपस्थित; (च) अशांति

पाठ-13 दौड़ो-दौड़ो, माधव दौड़ो

खंड-अ

1. (क) माधव से।

(ख) माधव के घर।

(ग) माधव मारो, लाठी मारो।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

3. मैं चिल्लाया

माधव मारो, लाठी मारो

माधव ने मुड़ के पूछा

साँप या लाठी?

लाठी मारो। मैं चिल्लाया

साँप उठा के मार दी लाठी माधव ने।

4. (क) क्योंकि घर में साँप आ गया था।

(ख) क्योंकि माधव ने साँप उठाकर मार दी लाठी। लाठी टूट गई और साँप रह गया हाथ में।

6. (क) टपका; (ख) काँप; (ग) नीचे; (घ) नारे; (ङ) मराठी; (च) घोड़ा

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 अपना-अपना नज़रिया

खंड-अ

1. (क) स्नान।
   (ख) शिष्य के।
   (ग) सभी का देखने का नजरिया अलग-अलग होता है।
2. (क) iv; (ख) i; (ग) iii
3. (क) गुरुजी ने।
   शिष्य से।
   क्योंकि गुरुजी ने दोनों राहगीरों को अलग-अलग जवाब दिए।
   (ख) गुरुजी ने।
   दूसरे राहगीर से।
   क्योंकि वह जहाँ रहता था वहाँ के लोग नेक दिल और भले इंसान थे।
4. (क) संत को नहाते देख राहगीर वहाँ रुक गया।
   (ख) संत ने कहा कि यहाँ भी कपटी व दुष्ट लोग रहते हैं।
   (ग) दूसरे राहगीर ने संत से पूछा कि यहाँ के लोग कैसे हैं। संत ने उत्तर दिया कि मैं तुम्हारे सवाल का जवाब बाद में दूँगा। पहले तुम मुझे ये बताओ कि जहाँ से तुम आए हो वहाँ के लोग कैसे थे।
   (घ) शिष्य को समझाया कि हर मनुष्य का देखने का नजरिया अलग होता है।
   (ङ) जी हाँ।
5. र — राहगीर, रुक, रहने
   र् — मार्ग, निर्भर, कर्म
   ्र — प्रणाम, ग्राम, प्रशंसा
6. दंत → दाँत; हस्त → हाथ; नयन → नैन; मुख → मुँह; घृत → घी
   गृह → घर; रात्रि → रात; श्वेत → सफेद; सप्त → सात; दधि → दही
7. (क) महात्मा; (ख) चिकित्सालय; (ग) दयानंद; (घ) विद्यालय
8. (क) असभ्य; (ख) सज्जन; (ग) शैतान; (घ) अच्छाई
9. (क) साधु, संयासी, महात्मा; (ख) विद्यार्थी, वत्स, छात्र; (ग) सरोवर, नीर, जल; (घ) वतन, राष्ट्र, स्थान; (ङ) वायु, खग, पवन
10. (क) संत अपने शिष्य के साथ स्नान कर रहे थे।
    (ख) जंगल में जानवरों का बसेरा है।
    (ग) बंधु, यहाँ अच्छे लोग रहते हैं।
    (घ) यहाँ दुष्ट लोग रहते हैं।
    (ङ) मार्ग में जगल पड़ता है।

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 कठिन परिश्रम

खंड-अ

1. (क) मोहन।
   (ख) लकड़ी के व्यापारी के।
   (ग) मोहन ने पहले दिन 20 पेड़ काटे।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iv
3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓
4. (क) मोहन कम पढ़ा-लिखा व परिश्रमी लड़का था।
   (ख) व्यापारी ने मोहन को जंगल में लकड़ी काटने का कार्य दिया।
   (ग) क्योंकि मोहन ने अपने कुल्हाड़ी की धार तेज नहीं करवाई थी।
   (घ) हमें केवल कठिन परिश्रम से ही उन्नति प्राप्त नहीं होती, बल्कि समय-समय पर औजारों को धार देना भी जरुरी होता है, क्योंकि हमारी उन्नति, हमारे औजारों पर ही निर्भर है।
5. (क) दिवस, दिवा; (ख) वन, बाग; (ग) वृक्ष, तरु; (घ) प्रशंसा, आभार
6. (क) ढक्कन, ढोल, ढाई; (ख) पढ़ाई, कढ़ाई, चढ़ाई; (ग) डमरू, डिब्बा, डर; (घ) जड़, लड़ाई, झाड़ू
7. (क) अवनति; (ख) रात; (ग) भूतकाल; (घ) ज्यादा

खंड(ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-4

1. (क) ii; (ख) iv; (ग) iv
2. (क) शेखीबाज। जो दूर की हाँकते हैं। अपने को सबसे बड़ा बताते हैं।
   (ख) क्योंकि माधव ने साँप उठाकर मार दी लाठी। लाठी टूट गई साँप रह गया हाथ में।
   (ग) व्यापारी ने मोहन को जंगल से लकड़ी काटने का कार्य दिया।
3. (क) टपका; (ख) काँप; (ग) नीचे; (घ) नारे
4. (क) महात्मा; (ख) चिकित्सालय; (ग) दयानंद; (घ) विद्यालय
5. (क) दिवस, दिवा, दिवाकर; (ख) बाग, वन, फूलों का गुच्छा; (ग) वृक्ष, तरु, विटप

पाठ-16 थप्प रोटी, थप्प दाल

खंड-अ

1. (क) मुन्नी नीना को पुकारती है।
   (ख) मुन्नी माँ से आटा, घी, दाल, दही, मक्खन, साग, चीनी लाई थी।
   (ग) चुन्नू और टिंकू को बाजार से साग-सब्ज़ी लाने का काम सौंपा गया।
2. (क) ii; (ख) ii; (ग) ii
3. (क) टिंकू ने पकाई बड़ियाँ, चुन्नू ने पकाई दाल, टिंकू की बड़ियाँ जल गई, चुन्नू का बुरा हाल।
   (ख) बच्चों के सोने पर बिल्ली आती है।

(ग) ओहो! मक्खन कितना सारा, झट से चट करूँ किनारा। हैं छींके पर यह क्या रखा, आन रही क्या, अगर न चखा? रोटी कैसी गरम-गरम है, घी से चुपड़ी नरम-नरम है। मक्खन रोटी, चावल दाल, जी भी खाया कित्ता माल। और देखो वह मुन्नी, टिंकू, चुन्नू सारे, खर्राटे भर रहे बेचारे। अब चुपके से सरपट जाऊँ। आलसियों को सबक सिखाऊँ। म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ।

(घ) हमें बिल्ली का पात्र अच्छा लगा है क्योंकि वह यह सीख देना चाहती थी कि हमें कभी-भी घोड़े बेचकर नहीं सोना चाहिए।

(ङ) बिल्ली बनी नीना कहती है कि—हाँ, खाऊँगी सौ-सौ बार, जो सोओगे टाँग पसार।

4. (क) मुन्नी, नीना; (ख) बच्चे, बिल्ली; (ग) गरम, नरम; (घ) मीठा, खट्टा

5. (क) टिंकू; (ख) आँसू; (ग) रंगमंच; (घ) अंदाज; (ङ) हाँडी; (च) माँगते; (छ) पंक्ति; (ज) फूँक

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-17 दो गप्पी

खंड-अ

1. (क) शेखीबाज को, जो दूर की हाँकते हैं और अपने को सबसे बड़ा बताते हैं।

(ख) बहुत बड़ा मकान था।

(ग) बहुत लंबा बाँस था।

2. (क) iv; (ख) iii; (ग) ii

3. (क) झूठ; (ख) बहादुरों; (ग) हिरण; (घ) दरियादिल, उधार

4. (क) देखें कौन बड़ा गप्पी है। शर्त लग गई। जो जीते वह दो सौ रुपये पाए और जो हारे वह दो सौ रुपये दे।

(ख) यदि वह कह देता कि यह बात झूठ है तो वह शर्त हार जाता और उसे दो सौ रुपये देने पड़ते।

(ग) क्योंकि यदि वह कहता कि यह सच है तो उसे अपने पिताजी का कर्ज चुकाना पड़ता और यदि कहता कि यह झूठ है तो उसे शर्त हार कर दो सौ रुपये देने पड़ते।

(घ) उसने कह दिया कि यह बात झूठ है और उसने दो सौ रुपये दे दिए।

5. अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

6. (क) उ; (ख) ऊ; (ग) उ; (घ) ऊ; (ङ) उ; (च) ऊ; (छ) उ; (ज) ऊ

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 वे दिन भी क्या दिन थे

खंड-अ

1. (क) डायरी कुम्मी लिख रही है।

(ख) 17 मई सन् 2155 की रात को।

(ग) पुस्तक रोहित को मिली थी।

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) स्थिर; (ख) पुर्जे-पुर्जे; (ग) सिलसिले; (घ) घर

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) सचमुच की पुस्तक।

(ख) एक पुराने डिब्बे में और उसमें पुराने जमाने के स्कूल के बारे में लिखा था।

(ग) पाठ में शिक्षण की पुराने जमाने की पद्धतियों के बारे में बताया गया है।

(घ) कुम्मी को पढ़ाई की पुराने जमाने की पद्धति अच्छी लगी क्योंकि वहाँ बच्चे स्कूल हँसते-खेलते-कूदते जाते थे और पढ़ाने वाले अध्यापक भी स्त्रियाँ और पुरुष थे।

6.

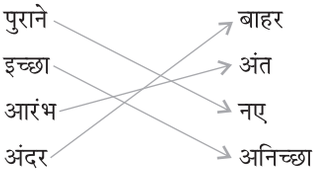

7. (क) आरम्भ; (ख) सम्भव; (ग) अन्दर; (घ) गङ्गा; (ङ) ठण्डा; (च) आनन्द

8. (क) सारे शब्द स्थिर रहते थे।

(ख) रोज नियमित रूप से हमें सबकुछ याद करना होता है।

(ग) मशीन के भूगोल की चक्की कुछ तेज रफ्तार पर थी।

(घ) कितनी अजीब-अजीब बाते जानने को मिलेंगी।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-2

1. (क) ii; (ख) ii; (ग) iv; (घ) ii

2. (क) क्योंकि विक्की में सच्चाई कहने की हिम्मत थी।

(ख) क्योंकि घर में साँप आ गया था।

(ग) क्योंकि मोहन ने अपनी कुल्हाड़ी की धार तेज नहीं करवाई थी।

(घ) टिंकू ने पकाई बड़ियाँ, चुन्नू ने पकाई दाल, टिंकू की बड़ियाँ जल गईं, चुन्नू का बुरा हाल।

(ङ) कुम्मी को पुराने जमाने की पढ़ाई अच्छी लगी क्योंकि वहाँ एक ही आयु के सारे बच्चे हँसते-खेलते-कूदते स्कूल जाते थे और वहाँ पढ़ाने वाले अध्यापक स्त्रियाँ और पुरुष थे।

3. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

4. (क) विद्वान; (ख) हिरण; (ग) दरियादिल, उधार

5. (क) रस्सी, गुस्सा, अस्सी; (ख) सत्ता, कुत्ता, गत्ता; (ग) अन्ना, अन्न, सुन्न; (घ) अम्मा, मम्मी, चम्मच; (ङ) टक्कर, चक्कर, विक्की

6. (क) असभ्य; (ख) सज्जन; (ग) शैतान; (घ) अच्छाई

7. (क) ढक्कन, ढोल, ढाई; (ख) पढ़ाई, कढ़ाई, चढ़ाई; (ग) डमरू, डिब्बा, डर; (घ) जड़, लड़ाई, झाड़ू

8. (क) टिंकू; (ख) आँसू; (ग) रंगमंच; (घ) अंदाज; (ङ) हाँडी; (च) माँगते

9. (क) सारे शब्द स्थिर रहते हैं।

(ख) रोज नियमित रूप से हमें सबकुछ याद करना होता है।

(ग) मशीन के भूगोल की चक्की कुछ तेज रफ्तार पर थी।

10. (क) प्राचार्या; (ख) माता; (ग) दादा; (घ) अध्यापिका

BOOK-5

पाठ-1 निंदिया आई

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iii; (ग) i (घ) iii; (ङ) iii

3.

हमने खाट	बड़े मियाँ सन्नाटे
लिए खूब	नींद न टूटी
भागे	बिछाई चौड़ी
गढ़ी कहानी	लंबे खर्राटे
कुंभकरण-सी	सच्ची-झूठी

4. सपने में एक महल बनाया,
जोड़-जोड़कर कौड़ी-कौड़ी।
गढ़ी कहानी सच्ची-झूठी,
कुंभकरण-सी नींद न टूटी।

5. (क) नींद आने पर सोने के लिए खाट बिछाई गई।

(ख) नींद को कुंभकरण-सी इसलिए कहा गया है क्योंकि नींद में किसी को कुछ पता नहीं चलता कि आस-पास क्या हो रहा है।

(ग) सपने में कौड़ी-कौड़ी जोड़कर महल बनाया।

(घ) सपने में महल कौड़ी-कौड़ी जोड़कर बनाया।

(ङ) सपने में घड़ी टिक-टिक कर रही थी जिससे ऐसा लग रहा जैसे खोपड़ी पर हथौड़ी चला रही हो।

6. (क) चौड़ी; (ख) टूटी; (ग) सन्नाटे; (घ) भाई

7. सर्प, वर्षा, दर्पण, शर्म

8. (क) कमरे में बहुत सन्नाटा था।

(ख) मैनें बहुत अच्छा सपना देखा।

(ग) मुझे बहुत नींद आ रही है।

(घ) यह कहानी बहुत अच्छी है।

(ङ) मेरा भाई बहुत तेज खर्राटे लेता है।

9. (क) सोचकर; (ख) नहाकर; (ग) पढ़कर; (घ) दौड़कर; (ङ) जाकर

10. (क) बिंदिया; (ख) बाट; (ग) खर्राटा; (घ) घड़ी; (ङ) झोंपड़ी; (च) अपना

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-2 मज़ा और सज़ा

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii (घ) iii

3. (क) जामुन; (ख) किताबें; (ग) जामुनों; (घ) बंदरों; (ङ) होश

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✗

5. (क) किताबों को बारिश से बचाने के लिए रज्जू-मज्जू अपनी किताबों को पन्नियों में लपेटकर झोले में रखते थे।

(ख) पके जामुन देखकर रज्जू-मज्जू का मन ललचा गया। उन्होंने अपने झोले बाग की मेड़ पर रख दिए और ढेला-पत्थर मार-मारकर जामुन तोड़ने लगे।

(ग) बंदरों ने उनके झोलों को देखा और पेड़ों से उतरकर उनको खोल-खखोल डाला। पन्नियों में लिपटी किताबों और कॉपियों को खाने की चीजें समझकर वे निकाल ले गए। उन्होंने सारी किताबें और कॉपियाँ फाड़ डाली।

(घ) रज्जू और मज्जू ने देखा कि उनकी किताबों और कॉपियों के फटे हुए पन्ने पेड़ों की टहनियों पर पत्तों में अटके फड़फड़ा रहे हैं। यह देखकर दोनों के होश उड़ गए।

6. (क) वे अभी बच्चे थे।

(ख) पके जामुन नीचे आ गिरते।

(ग) अचानक पेड़ों पर बंदरों की आवाजें आईं।

(घ) वहाँ डालियों पर बैठकर उन्होंने पन्नियों को फाड़ा।

7. (क) हँसना — बच्चों का हँसना अच्छा लगता है।

(ख) लिखना — रमा को पत्र लिखना अच्छा लगता है।

(ग) बैठना — मेरे बेटे को घोड़े पर बैठना है।

(घ) जाना — मुझे घर जाना है।

8. (क) शहर; (ख) कच्चे; (ग) बदसूरत; (घ) गलत; (ङ) बदबू; (च) ऊपर

9. (क) फूलों की खुशबू मनमोहक होती है।

(ख) शेर को सामने देख रमेश के होश उड़ गए।

(ग) आज मौसम बहुत सुहावना है।

10. फ्रॉक, कॉपियाँ, डॉक्टर, बॉल

11.

रंग-बिरंगी	मौसम
पके	भाई
दो	जामुन
सुहावना	किताबें

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-3 भेड़ का रास्ता

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) i (घ) i

3. (क) झुंड; (ख) दया; (ग) फल, फूलों; (घ) बाड़ा

4.

चिड़िया	बाड़ा
बुज़ुर्ग	चहचहाना
फल और फूलों से लदे	चींटी
भेड़ों का	पेड़

5. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓

6. (क) भेड़ के बच्चे ने।

कौए से।

कौए ने भेड़ के बच्चों को उसके बाड़े के बारे में बताया।

(ख) बुज़ुर्ग चींटी ने।

भेड़ के बच्चे से।

बुज़ुर्ग चींटी ने एक भेड़ के बच्चे को रोता हुआ देखा।

7. (क) भेड़ के बच्चे को रोता हुआ देखकर बुज़ुर्ग चींटी को उस पर दया आई।

(ख) भेड़ के बच्चे से जब बुज़ुर्ग चींटी ने पूछा कि उसने रास्ते में क्या-क्या देखा तो भेड़ के बच्चे ने बताया कि उसने सिर्फ आगे वाली भेड़ की पूँछ और उसकी दो टाँगें देखीं तो इस बात पर भेड़ के बच्चे को शर्मिंदगी महसूस हुई।

(ग) भेड़ के बच्चे से जब कौए ने कहा कि मैं आसमान में उड़ते हुए दूर-दूर तक देख सकता हूँ। यहाँ आस-पास भेड़ों का एक ही बाड़ा है। जरूर वही तुम्हारा घर होगा। यह सुनकर भेड़ के बच्चे को राहत मिली।

(घ) रास्ता बताने के लिए कौए ने भेड़ के बच्चे के सामने शर्त रखी कि वह कौए को अपनी पीठ पर बिठाकर ले चले तो वह उसे रास्ता बताने के लिए तैयार है।

(ङ) भेड़ के बच्चे ने रास्ते में एक छोटा-सा तालाब, सिर ताने खड़ा पहाड़ और खेतों में बनी झोंपड़ियाँ देखीं।

8. (क) चींटियाँ; (ख) बच्चे; (ग) रास्ते; (घ) कौए; (ङ) फूलों; (च) भेड़ें; (छ) झोंपड़ियाँ; (ज) चिड़ियाँ

9. (क) पथ, डगर, राह; (ख) वृक्ष, पादप, तरु; (ग) पोखर, ताल, सरोवर; (घ) पर्वत, गिरी, नग

10. (क) सुनकर; (ख) रोकर; (ग) उतरकर; (घ) जाकर; (ङ) सोचकर; (च) बिठाकर; (छ) भूलकर; (ज) देखकर

10. (क) मैं; (ख) उसकी; (ग) तुम; (घ) उसने

11. (क) मैं; (ख) में; (ग) मैं; (घ) में

12. (क) मैं सूँघकर नहीं, देखकर चलूँगा।

(ख) आसमान में बादल छाए हैं।

(ग) वह अपने घर का रास्ता भूल गया था।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

1. (क) ii; (ख) ii; (ग) iv

2. (क) नींद आने पर सोने के लिए खाट बिछाई गई।

(ख) बंदरों ने उनके झोलों को देखा और पेड़ों से उतरकर उनको खोल-खखोल डाला। पन्नियों में लिपटी किताबों और कॉपियों को खाने की चीजें समझकर वे निकाल ले गए। उन्होंने सारी किताबें और कॉपियाँ फाड़ डालीं।

(ग) भेड़ के बच्चे ने रास्ते में एक छोटा-सा तालाब, सिर ताने खड़ा पहाड़ और खेतों में बनी झोपड़ियाँ देखीं।

(घ) भेड़ के बच्चे को बाड़े तक कौए ने पहुँचाया।

3. (क) कमरे में बहुत सन्नाटा था।

(ख) मैंने बहुत अच्छा सपना देखा।

(ग) मुझे बहुत नींद आ रही है।

(घ) यह कहानी बहुत अच्छी है।

(ङ) मेरा भाई बहुत तेज खर्राटे लेता है।

4. (क) शहर; (ख) कच्चा; (ग) बदसूरत; (घ) बदबू

5. (क) पथ, डगर, राह; (ख) वृक्ष, पादप, तरु; (ग) पोखर, ताल, सरोवर

पाठ-4 बंदर और लोमड़ी

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii (घ) i

3. (क) बंदर; (ख) चाँद; (ग) असफल; (घ) छपाक; (ङ) कंटीली

4. (क) लोमड़ी ने।

बंदर से।

बंदर ने लोमड़ी से उसके खर्राटों की शिकायत की।

(ख) बंदर ने।

लोमड़ी से।

जब लोमड़ी ने बंदर की चाँद के लटके होने की बात नहीं मानी।

5.

बंदर उसकी इस आदत से	तालाब था।
बंदर डाल पर बैठा	जवाद दे गई।
बगल में एक	बहुत परेशान था।
जल में पूर्णिमा का	ऊँघ रहा था।
लोमड़ी की हिम्मत	चाँद झिलमिला रहा था।

6. (क) बंदर लोमड़ी से उसके खर्राटे के कारण परेशान था।

(ख) बंदर ने लोमड़ी से छुटकारा पाने के लिए उससे कहा कि चाँद बिना सहारे के आसमान में लटका है। उसने फल तोड़कर तालाब में फेंक दिया और लोमड़ी से कहा कि चाँद तालाब में गिर गया, वह बच गई अन्यथा उसके सिर पर गिरता। लोमड़ी इससे डर गई और वहाँ से भाग गई।

(ग) अंत में लोमड़ी ने गड्ढे में बनी एक माँद में शरण ली।

7. (क) रात्रि, निशा, रजनी; (ख) वानर, कपि, हरि; (ग) वन, अरण्य, कानन; (घ) गगन, अंबर, नभ

8. (क) हर व्यक्ति को अपने कर्मों का फल जरूर मिलता है।

मुझे आम का फल बहुत पसंद है।

(ख) चुनावों में विपक्ष को हार प्राप्त हुई।

कृष्णा के गले में फूलों का हार है।

(ग) जल ही जीवन है।

वह आग से जल गई।

9. (क) इसलिए; (ख) और; (ग) बल्कि; (घ) इसलिए; (ङ) मानो

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-5 दोस्ती

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) ii; (घ) i

3. (क) चीकू और भोलू कौए ने।

चिनमिन से।

चिनमिन रो पड़ी थी क्योंकि हाथी ने उसके अंडे तोड़ दिए थे।

(ख) चीकू ने।

भोलू से।

हाथी ने चीकू के अंडे तोड़ दिए इसलिए हाथी को सबक सिखाने के लिए।

4. (क) इस तरह घोंसले में रखे अंडे टूट गए।

(ख) टूटे अंडों को देखकर चिनमिन ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी।

(ग) सबको मेघनाद की सलाह बहुत पसंद आई।

(घ) चीकू, भोलू और वीना तीनों मेघनाद मेंढक के पास गए।

(ङ) इस तरह छोटे-छोटे जीवों ने मिलकर अक्ल से हाथी जैसे बड़े जीव को मार गिराया।

5. (क) चीकू और चिनमिन को अपने अंडों से बच्चों के बाहर निकलने का बेसब्री से इंतजार था।

(ख) चीकू ने भोलू से कहा कि ''इस दुष्ट हाथी ने घमंड में आकर हमारे बच्चों की जान ली है। इसे तो इसका दंड मिलना ही चाहिए।''

(ग) हाथी को मारने में चीकू की सहायता भोलू कौए, वीना मक्खी और मेघनाद मेंढक ने की।

(घ) हाथी की आँख भोलू कौए ने फोड़ी।

(ङ) छोटे जीव होने पर भी सभी ने अपनी अक्ल से विशालकाय हाथी को मार गिराया।

(च) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी जीव को छोटा नहीं समझना चाहिए।

6. (क) खुश, भाववाचक (ख) चीकू, चिनमिन, व्यक्तिवाचक; (ग) वीना, व्यक्तिवाचक; (घ) मेघनाद, व्यक्तिवाचक; (ङ) हाथी, तालाब, जातिवाचक

7. (क) मण्डल; (ख) घण्टा; (ग) चन्दन; (घ) दण्डित; (ङ) शङ्कर; (च) अण्डा

8. (क) शत्रु; (ख) नापंसद; (ग) कठिन; (घ) संत; (ङ) कड़वा; (च) छोटा

9. (क) स्वीटी बहुत अक्लमंद है।

(ख) मुझे बहुत अच्छी तरकीब सूझी।

(ग) कौआ बहुत प्यासा था।

(घ) हाथी एक विशालकाय जानवर है।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-6 सब कुछ ऊटपटांग

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii

3. गधा शेर पर चढ़कर चिल्लाया,

अब मैं हूँ इस जंगल का राजा।

भोलू यहाँ न तू अकड़,

नहीं तो दूँगा नाक रगड़।

4. चींटियों ने है फौज बनाई,

हाथी की पूँछ से करी चढ़ाई।

एक चींटी ने मारी लात,

हाथी के नहीं बचे दाँत।

5. (क) चींटी की लात से हाथी के दाँत टूट गए।

(ख) गधे ने खुद को जंगल का राजा बताया इसलिए गधा चिल्लाया।

(ग) मेंढक ने टर्राकर कहा कि उसने मगरमच्छ को पूँछ से घसीटकर नदी से भगा दिया।

(घ) गप्पीदास ने चींटियों के फौज बनाने की, हाथी की पूँछ से चढ़ाई करने की, चींटी की एक लात मारने से हाथी के दाँत नहीं बचे, गधे के जंगल का राजा बनने, मच्छरों का तितलियों को शादी का न्यौता भिजवाने, मक्खी की ऊँट से शादी करने व मेंढक ने पूँछ से घसीटकर मगरमच्छ को नदी से भगाने की गप्पें मारीं।

6. (क) नानी; (ख) पकड़; (ग) खाद; (घ) आदी; (ङ) चढ़ाई, (च) होश

7. (क) कहानियाँ; (ख) चींटियाँ; (ग) मक्खियाँ; (घ) तितलियाँ

8. चुन्नू, मुन्नू, सच्ची, गप्पीदास, चिल्लाया, मच्छरों, न्यौता, मक्खी, मगरमच्छ

9. (क) वाचाल; (ख) सत्यवादी; (ग) गूँगा

10.

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ऊँट	नानी
गधा	चींटी
शेर	मक्खी
मगरमच्छ	तितली

11. (क) उसके पास शादी का न्यौता आया है।

(ख) यह कहानी बहुत अच्छी है।

(ग) घर में बैठे-बैठे मैं बोर हो गई।

(घ) जोश में कभी होश नहीं खोने चाहिएँ।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

1. (क) ii; (ख) iv; (ग) ii

2. (क) बंदर लोमड़ी से उसके खर्राटे के कारण परेशान था।

(ख) अंत में लोमड़ी ने गड्ढे में बनी एक माँद में शरण ली।

(ग) चीकू ने भोलू से कहा कि ''इस दुष्ट हाथी ने घमंड में आकर हमारे बच्चों की जान ली है। इसे तो इसका दंड मिलना ही चाहिए।''

(घ) गप्पीदास ने चींटियों के फौज बनाने की, हाथी की पूँछ से चढ़ाई करने की, चींटी की एक लात मारने से हाथी के दाँत नहीं बचे, गधे के जंगल का राजा बनने, मच्छरों का तितलियों को शादी का न्यौता भिजवाने, मक्खी की ऊँट से शादी करने व मेंढक ने पूँछ से घसीटकर मगरमच्छ को नदी से भगाने की गप्पें मारीं।

3. (क) रात्रि, निशा, रजनी; (ख) वानर, कपि, हरि; (ग) वन, अरण्य, कानन; (घ) गगन, अंबर, नभ

4. (क) शत्रु; (ख) नापंसद; (ग) कठिन; (घ) संत

5. (क) कहानियाँ; (ख) चींटियाँ; (ग) मक्खियाँ

पाठ-7 आदमी एक, काम चार

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) iv; (ग) i (घ) i

3. (क) दरबारियों ने।

बादशाह अकबर से।

दरबारी बीरबल को उच्च पद से हटाना चाहते थे।

(ख) अकबर ने।

दरबारियों से।

बादशाह अकबर ने सिद्ध कर दिया था कि बीरबल उच्च पद पर क्यों है?

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✗; (ङ) ✓

5. (क) अकबर के दरबार के कुछ लोग सदैव बीरबल की अनुपस्थिति में बादशाह के कान भरने तथा किसी भी तरह बीरबल को नीचा दिखाने की ताक में रहते थे।

(ख) जब बाकी लोगों ने कहा कि उनमें और बीरबल में क्या फर्क है तो उन्हें यही फर्क दिखाने के लिए बीरबल को बादशाह ने एक हफ्ते की छुट्टी दी।

(ग) बादशाह ने एक दरबारी को एक कार्य बताया। वह कार्य को चार बार में पूरा किया तथा बीरबल ने उसी कार्य को एक बार में ही पूरा किया। इस प्रकार बादशाह अकबर ने साबित किया कि बीरबल अन्य लोगों से बुद्धिमान है।

6. (क) पुलिस को आता देख चोर चंपत हो गए।

(ख) दूसरों का काम हमेशा आग लगाना होता है।

(ग) अपने बच्चे को प्रथम स्थान पर देखकर आकाश के माता-पिता फूले न समाए।

(घ) नेहा ने सुबह से कुछ नहीं खाया इसलिए उसके पेट में चूहे कूदने लगे।

7. (क) पहिया, भ्रम; (ख) आघात, सप्ताह का दिन; (ग) कर्ण (नाम), कान; (घ) किनारा, बाण; (ङ) बादल, घटा; (च) दूल्हा, वरदान

8. (क) प् + अ + र् + ई + क्ष् + आ; (ख) स् + अ + प् + अ + त + आ + ह् + अ; (ग) व + इ + र् + आ + ज् + अ + म् + आ + न् + अ; (घ) न + अ + य् + उ + क् + अ + त् + अ

9. (क) छठा दिन था।

(ख) चतुर व्यक्ति चला गया।

(ग) मादाओं में से दो काली और एक बादामी है।

(घ) महल के पीछे के भाग से अजीब-सी आवाज़ें आती हैं।

10. (क) अनुचित; (ख) सफ़ेद; (ग) निम्न; (घ) अपमान

11. (क) के; (ख) की; (ग) का; (घ) की

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-8 चिट्ठी

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii

3. (क) रोक; (ख) पढ़ने; (ग) कुछ, घर, मोर

4. (क) सुमित को यह जानकर अच्छा लगा कि उसका मित्र रवि चौथी कक्षा पास करके पाँचवीं कक्षा में आ गया है।

(ख) दोनों मित्रों ने पिछले साल की गर्मी की छुट्टियाँ गाँव में बिताई थीं।

(ग) रवि की बहन का पैर पेड़ पर चढ़ते हुए फिसल गया था।

(घ) थानेदार से भेलपूरी की तारीफ सुनकर अम्मा का सीना गर्व से फूलकर चौड़ा हो गया।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-9 नदी की आत्मकथा

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) iv; (ग) iv; (घ) i

3. (क) लाड़-प्यार; (ख) भावुक; (ग) आत्मविश्वास; (घ) गतिशील; (ङ) सागर

4. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✓

5. (क) नदी के पिता ने नदी से कहा कि ''तुम्हारा जन्म यहाँ रहने के लिए नहीं हुआ है। तुम्हे अपने शीतल जल से लाखों-करोड़ों लोगों की प्यास बुझानी है, लोगों पर उपकार करना है, अपने कर्तव्य-पथ पर चलते हुए कभी रुकना नहीं है और अंतत: सागर में मिल जाना है।''

(ख) नदी के जल का प्रयोग फ़सलों के बीज बोने, सिंचाई करने, बिजली निर्माण में किया जाता है।

(ग) नदी को इस बात का अफ़सोस है कि जिस मानव पर उसने उपकार किया, उसे जीवन प्रदान किया, आज वही इतना कृतघ्न हो गया। कितनी बेदर्दी से उसमें कूड़ा-कचरा फेंक देता है, उसमें गंदे नाले मिला देता है। वह यह भी नहीं सोचता कि इससे नदी का जल कितना अशुद्ध हो जाता है। एक समय ऐसा आएगा जब उसे पीने के लिए पानी भी नसीब नहीं हो पाएगा।

(घ) नदी मनुष्य जाति को यह चेतावनी दे रही है कि यदि वह मुझे इस

प्रकार प्रदूषित करता रहा तो मेरी भी सहनशक्ति एक-न-एक दिन समाप्त हो जाएगी। यदि मुझे क्रोध आ गया तो मैं दंड देने में भी पीछे नहीं हटूँगी। मनुष्यों ने बाढ़ के रूप में तो मेरा क्रोध देखा ही है।

(ङ) हमें जल प्रदूषण रोकने के लिए कूड़ा-कचरा नदियों में नहीं फेंकना चाहिए, गंदे नालों को नदियों में नहीं छोड़ना चाहिए।

6. (क) सरिता, तरंगिणी, तटिनी; (ख) पर्वतराज, गिरिराज, हिमगिरी; (ग) चपला, दामिनी, विद्युत; (घ) पाषाण, शिला, शैल; (ङ) सुत, बेटा, वत्स

7. (क) हिमालय; (ख) अल्पायु; (ग) सत्याग्रह; (घ) भोजनालय; (ङ) शिवालय; (च) अनाथालय

8. (क) नदी कल-कल करती बहती है।

(ख) मेरे पिता ने मुझको बड़े लाड़-प्यार से पाला।

(ग) माता-पिता बच्चों का पालन-पोषण प्रेम से करते हैं।

(घ) सभी लोग नदी में कूड़ा-कचरा फेंकते रहते हैं।

9. (क) ग्रीष्म; (ख) चलना; (ग) प्रार्थना; (घ) छोटा; (ङ) शुद्ध; (च) अपकार

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-1

1. (क) i; (ख) ii; (ग) iii; (घ) i

2. (क) झुंड; (ख) असफल; (ग) लाड़-प्यार; (घ) सागर

3. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✗; (घ) ✓

4. (क) छोटे जीव होने पर भी सभी ने अपनी अक्ल से विशालकाय हाथी को मार गिराया।

(ख) मेंढक इसलिए टर्राया जिससे हाथी खाई को तालाब समझे और उसमें गिर जाए।

(ग) जब बाकी लोगों ने कहा कि उनमें और बीरबल में क्या फर्क है तो उन्हें यही फर्क दिखाने के लिए बीरबल को बादशाह ने एक हफ्ते की छुट्टी दी।

(घ) हमें जल प्रदूषण रोकने के लिए कूड़ा-कचरा नदियों में नहीं फेंकना चाहिए, गंदे नालों को नदियों में नहीं छोड़ना चाहिए।

5.

बंदर उसकी इस आदत से	तालाब था।
बंदर डाल पर बैठा	जवाब दे गई।
बगल में एक	बहुत परेशान था।
जल में पूर्णिमा का	ऊँघ रहा था।
लोमड़ी की हिम्मत	चाँद झिलमिला रहा था।

6. (क) के; (ख) की; (ग) की

7. (क) सोचकर; (ख) नहाकर

8. (क) नदी कल-कल करती बहती है।

(ख) मेरे पिता ने मुझको बड़े लाड़-प्यार से पाला।

(ग) माता-पिता बच्चों का पालन-पोषण प्रेम से करते हैं।

(घ) सभी लोग नदी में कूड़ा-कचरा फेंकते रहते हैं।

9. (क) वाचाल; (ख) सत्यवादी

10. (क) खुश, भाववाचक (ख) चीकू, चिनमिन, व्यक्तिवाचक

पाठ-10 अशरफ़ का उड़नखटोला

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iv; (घ) ii

3. (क) सेगुन ने।

अशरफ़ से।

क्योंकि अशरफ़ अपने मित्रों को अपनी नई खोज दिखाना चाहता था।

(ख) अशरफ़ ने।

यूजीन, सेगुन से।

क्योंकि अशरफ़ ने उन्हें उड़नतश्तरी के नाम पर पेड़ दिखाया।

4. (क) मैदान; (ख) स्वादिष्ट; (ग) कॉकपिट; (घ) खिसकने; (ङ) गद्‌गद्

5. (क) अशरफ़ ने हवाईजहाज बनाया था।

(ख) सेगुन और यूजीन अशरफ़ के मित्र थे। अशरफ़ ने उन्हें अपने हवाईजहाज में उड़ने के लिए अपने घर बुलाया था।

(ग) अशरफ़ ने आम के पेड़ को अपना हवाईजहाज बनाया था।

(घ) अशरफ़ के दोस्तों ने बाकी बच्चों को भी अशरफ़ के हवाईजहाज के बारे में बता दिया था जबकि वह कोई हवाईजहाज़ नहीं बल्कि एक पेड़ था। इस कारण अशरफ़ को सबके सामने शर्मिंदा होना पड़ा। इसलिए अशरफ़ दु:खी हुआ।

(ङ) विज्ञान की किताब में सूरज की गर्मी से अंडा उबालने का आविष्कार का प्रयोग दिया गया था।

6. (क) मैं भी जरूर आऊँगा।

(ख) अशरफ़ को चारों तरफ से बच्चों ने घेर रखा था।

(ग) तुम अपनी करतूतों से कभी बाज नहीं जाओगे।

7. (क) बाकी काम धीरे-धीरे चल रहे थे।

(ख) इतनी जल्दी मत मचाओ।

(ग) वह झट-से बस के दरवाज़े की ओर लपका।

(घ) अशरफ़ को चारों तरफ से बच्चों ने घेर रखा था।

8. (क) जल्दी से; (ख) माता; (ग) विद्‌यालय; (घ) खोज; (ङ) निरीक्षण; (च) प्रतीक्षा; (छ) घोषणा; (ज) युक्ति/विचार

9. (क) पेड़ से गिरकर राजू के अंजर-पंजर ढीले हो गए।

(ख) अशरफ़ के मित्र ने हवाईजहाज़ का मुआयना किया।

(ग) अशरफ़ अपनी काल्पनिक दुनिया में रहता था।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-11 राजू और काजू

खंड-अ

2. (क) i; (ख) ii; (ग) iii; (घ) iv

3. (क) भीड़ बाज़ार में लगी थी।

(ख) सभी जगह दुकानें सजी थीं।

(ग) सभी दुकानें दीये, पटाखे, फुलझड़ियाँ, सुर्री, हवाइयाँ, गोले और चटाखे से भरी थीं।

4. (क) कुत्ता, छत्ता; (ख) अन्न, भिन्न; (ग) मम्मी, सिम्मी; (घ) उच्च, बच्चा; (ङ) दिल्ली, बिल्ली; (च) रस्सी, हिस्सा

5. (क) कच्चा; (ख) बड़ी; (ग) उधर; (घ) पतली; (ङ) अंदर; (च) अनेक

6. (क) विद्यालय; (ख) प्रकाश; (ग) चिकित्सक; (घ) यातायात; (ङ) कलम; (च) रेल; (छ) अध्यापक; (ज) अस्पताल

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-12 तिल का ताड़, राई का पहाड़

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) iv; (ग) iii; (घ) iii; (ङ) i

3. (क) पंसारी; (ख) मक्खियों; (ग) दुश्मनी; (घ) नुकसान; (ङ) आपा

4. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✗; (घ) ✗

5. (क) आदमी ने गुड़ का तिनका उठाया और अंगुली के झटके से सामने फेंक दिया।

(ख) तिनके को दीवार पर चिपका देखकर मक्खियाँ तिनके पर आ गईं। मक्खियों को देख छिपकली मक्खियों को निगलने आई। छिपकली को देख बिल्ली छिपकली पर झपटी। बिल्ली को देखकर कुत्ते ने बिल्ली पर छलाँग मारी और बिल्ली तेजी से पंसारी की दुकान में घुस गई। इसी भाग-दौड़ में पंसारी की कई मटकियाँ फूट गईं। पंसारी का नुकसान हो गया। गुस्से में पंसारी ने अपना आपा भूलकर जोर से एक बाट कुत्ते की ओर फेंका जो कुत्ते के ललाट पर लगा। यह देखकर सामान खरीदने आए आदमी को गुस्सा आ गया और उसने पंसारी को चाँटा जड़ दिया। सभी लोग इकट्ठे हो गए और बात हाथापाई तक पहुँच गई।

(ग) जब बिल्ली और कुत्ते की भाग-दौड़ से पंसारी का नुकसान हो गया तथा पंसारी ने गुस्से में आकर आदमी के कुत्ते की ओर एक बाट फेंका जिससे कुत्ते के सिर से खून निकल आया तो वह आदमी यह बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसने पंसारी को चाँटा जड़ दिया।

(घ) 'तिल का ताड़' का अर्थ है-छोटी सी बात को बढ़ाना। जैसे कि इस कहानी में छोटे से तिनके के ऊपर पूरे गाँव में कोहराम मच गया।

(ङ) पंसारी की दुकान की कई मटकियाँ फूट गईं। बतासे, चीनी, मिर्च-मसाले, दालें बिखर गईं और सारा तेल फैल गया।

(च) जवान द्वारा पंसारी के चाँटा मारने पर पंसारी हाय-तौबा मचाने लगा जिससे आस-पास की दुकान वाले एकत्र हो गए। उधर जवान के कबीले वाले भी आ गए। तू-तू मैं-मैं से बात बढ़ी और बात हाथापाई तक पहुँच गई। सैकड़ों लोगों की भीड़ उतर आई। बात इतनी बढ़ी कि पुलिस तक पहुँच गई। पुलिस आई और लोगों को ढूँढ़-ढूँढ़ कर पकड़ने लगी। काम-धंधा छोड़ लोग छिपने-छिपाने लगे।

6. (क) बिल्लियाँ; (ख) छिपकलियाँ; (ग) मक्खियाँ; (घ) मटकियाँ

7.

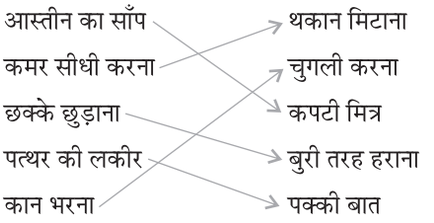

8. (क) लंबे-तगड़े जवान।

(ख) दो-तीन मक्खियाँ उसकी मिठास का मज़ा लेने लगीं।

(ग) बोनी के समय सीधा-सादा ग्राहक आया।

(घ) सैकड़ों लोगों की भीड़ उतर आई।

9. (क) सेवा; (ख) बुढ़ापा; (ग) चोरी; (घ) कारीगरी; (ङ) घरेलू; (च) मित्रता; (छ) मिठास; (ज) गर्मी

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-3

1. (क) ii; (ख) i; (ग) iii

2. (क) अशरफ़ ने हवाईजहाज बनाया था।

(ख) भीड़ बाजार में लगी थी।

(ग) सभी जगह दुकानें सजीं थीं।

(घ) आदमी ने गुड़ का तिनका उठाया और अंगुली के झटके से सामने फेंक दिया।

3. (क) पेड़ से गिरकर राजू के अंजर-पंजर ढीले हो गए।

(ख) अशरफ़ के मित्र ने हवाईजहाज़ का मुआयना किया।

(ग) अशरफ़ अपनी काल्पनिक दुनिया में रहता था।

4. (क) बिल्लियाँ; (ख) छिपकलियाँ; (ग) मक्खियाँ

5. (क) कच्चे; (ख) बड़ी; (ग) उधर

पाठ-13 पश्चात्ताप

खंड-अ

2. (क) iv; (ख) ii; (ग) i; (घ) iii

3. (क) विद्यार्थी, उत्तीर्ण; (ख) परेशान; (ग) अध्यापकों, प्रयत्न; (घ) छलछला, असर; (ङ) गाड़ियों; (च) प्रार्थना; (छ) धन्यवाद

4. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓

5.

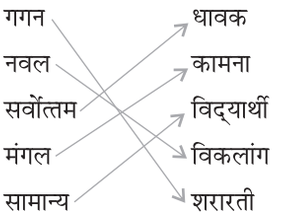

6. (क) दिमाग; (ख) कक्षा; (ग) समझाने; (घ) पिता, शहर; (ङ) नवल; (च) होश; (छ) रूप

7. (क) गगन एक शरारती लड़का था।

(ख) गगन कक्षा में कभी किसी की कॉपी गायब कर देता, कभी किताब,

कभी किसी की कॉपी के पन्ने फटे मिलते तो कभी किसी की कमीज़ पर स्याही छिड़की मिलती। कभी ब्लैक-बोर्ड पर क्लास मॉनीटर का चित्र बना होता तो कभी किसी अध्यापक का चित्र बना देता।

(ग) अध्यापकों ने गगन से तंग आकर उसे कठोर से कठोर दंड दिए और उसका स्कूल से नाम तक काट दिया।

(घ) नवल के पिता का तबादला इस शहर में होने के कारण नवल को बीच सत्र में नए विद्यालय में प्रवेश लेना पड़ा।

(ङ) जब गगन नवल को सर्वोत्तम धावक कहकर चिढ़ाता तो नवल को वो दिन याद आ जाते जब उसकी टाँग ठीक थी और वह वास्तव में ही विद्यालय का सर्वोत्तम धावक और श्रेष्ठ खिलाड़ी था।

(च) जब गगन को यह पता चला कि नवल ने ही उसे अस्पताल तक पहुँचाया और उसकी देखभाल की है तो उसकी आँखों से पश्चात्ताप के आँसू बह निकले।

(छ) इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी किसी दूसरे की कमी का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

8. (क) वह बार-बार फुटबॉल को उछाल रहा था।

(ख) लड़कों का मन तो खेल में लगा हुआ था।

(ग) गगन के माता-पिता ने नवल को धन्यवाद दिया।

(घ) नवल रास्तेभर गगन के लिए मंगलकामना करता रहा।

(ङ) उसके सहपाठी भी अब प्रसन्न थे।

9.

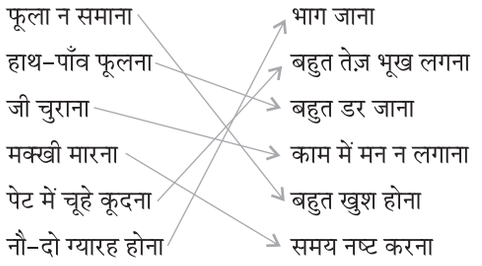

10. (क) दंड; (ख) मुँह; (ग) अंग; (घ) मंगलकामना; (ङ) चिंतित; (च) आँसू

11. (क) शरारती; (ख) सहपाठी; (ग) गणितज्ञ; (घ) उपकारी

12. (क) गगन को अपनी भूलों का पश्चात्ताप हुआ।

(ख) गगन नवल का सहपाठी था।

(ग) नवल ने गगन के लिए प्रार्थना की।

(घ) नवल एक सर्वोत्तम धावक था।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-14 किसान ओ!

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) i; (घ) i

3. उठ किसान ओ, उठ किसान ओ,
बादल घिर आए हैं
तेरे हरे-भरे सावन के,
साथी ये आए हैं।
आसमान भर गया देख तो,
इधर देख तो, उधर देख तो।
नाच रहे हैं उमड़-घुमड़ कर,
काले बादल तनिक देख तो।

4.

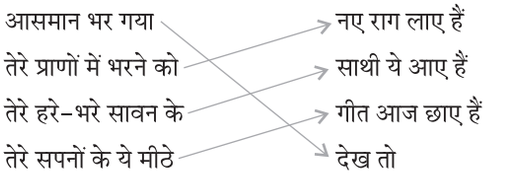

5. (क) कवि ने बादलों को किसानों का साथी कहा है क्योंकि बादल बारिश लाते हैं जिससे खेती अच्छी होती है। किसान बादलों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

(ख) 'बादल आ गए हैं' यह संदेशा शीतल पुरवाई लाई है।

(ग) जब खेत में हरी फसल लहराएगी तो हरी पताका फहराएगी, तब बादल फसल के रूप में मुस्कराएगा।

6. (क) गगन, अंबर, आकाश; (ख) कृषक, हलधर, भूमिपुत्र; (ग) मेघ, घन, जलधर; (घ) झंडा, ध्वजा, फरहरा

7. (क) फुहारें — हवा की ठंडी फुहारें चल रही है।

(ख) हवाएँ — गर्म हवाएँ लू कहलाती हैं।

(ग) सपने — सपने रात में आते हैं।

(घ) पताकाएँ — मंदिर में पताकाएँ फहरा रही है।

8.

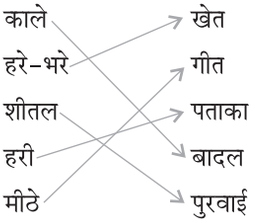

9. (क) प + अ + त + आ + क + आ; (ख) फ + उ + ह + आ + र + अ; (ग) म + अ + ध + उ + र + अ; (घ) स + अं + द + ए + श + आ

10.

'स'	'पर'
सपूत	परजीवी
सदोष	परदेश
सहर्ष	परनाना
सजीव	परदादा
सजल	परदारी

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-15 किताबवाला

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) i; (ग) iv; (घ) iv

3. (क) मुनासिब; (ख) डाकू; (ग) लुईस; (घ) मुखौटों

4. (क) ✓; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✗

5.

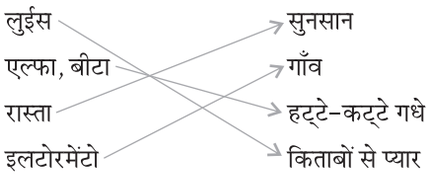

6. (क) लुईस कोलंबिया का रहने वाला आदमी था और वह अपनी किताबों से बहुत प्यार करता था।

(ख) लुईस ने अपने गधों पर किताबें लादीं। उसने उनकी पीठ पर किताबें रखने के लिए क्रेट बनाई और उस पर एक तख्ती-गधे पर किताबघर, लिखकर टाँग दी।

(ग) लुईस के पास कुछ धन की जगह किताब देखकर डाकू का पारा चढ़ गया।

(घ) बच्चों ने अपनी-अपनी पसंद की एक-एक किताब चुन ली।

7.

(क) उसने एक किताब रख ली।	जातिवाचक
(ख) उसका नाम था—लुईस।	व्यक्तिवाचक
(ग) अगली बार मुझे चाँदी चाहिए।	जातिवाचक
(घ) उसे किताबों से बहुत प्यार था।	भाववाचक
(ङ) बच्चे हमारा इंतजार कर रहे होंगे।	जातिवाचक

8.

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
सूरज	पत्नी
डाकू	चाँदी
घर	तख्ती
जंगल	मोमबत्ती
	पहाड़ी
	किताब

9. (क) सूर्य, दिनकर, दिवाकर; (ख) वन, अरण्य, कानन; (ग) जल, नीर, तोय; (घ) रात्रि, निशा, रजनी

10. (क) उपहार; (ख) उपन्यास; (ग) उपवन; (घ) उपयुक्त; (ङ) उपकार; (च) उपहास

खण्ड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-16 झोंपड़ी

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) ii; (ग) iii; (घ) i

3. (क) श्रीमान जमींदार, बेसहारा; (ख) जमानें; (ग) पोती, वृद्धाकाल; (घ) निष्फल; (ङ) झोंपड़ी, टोकरियाँ

4. (क) ✗; (ख) ✗; (ग) ✓; (घ) ✓

5. (क) बुढ़िया ने जमींदार से; (ख) जमींदार ने बुढ़िया से; (ग) बुढ़िया ने जमींदार से; (घ) बुढ़िया ने जमींदार से

6. (क) जमींदार साहब को अपने महल का अहाता झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।

(ख) विधवा के बुढ़ापे का एकमात्र सहारा उसकी (पतोहू) पोती थी।

(ग) जब से विधवा ने यह सुना कि जमींदार उसकी झोंपड़ी को गिराना चाहता है तब से विधवा मृतप्राय हो गई थी।

(घ) विधवा ने जमींदार से प्रार्थना की कि वह झोंपड़ी से उसे एक टोकरी मिट्टी ले जाने की अनुमति दे दे जिससे वह उस मिट्टी का चूल्हा बनाकर अपनी पोती के लिए खाना बना सके।

(ङ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी गरीब बेसहारा के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए।

(च) कहानी के अंत में विधवा बुढ़िया की जीत हुई।

7. (क) लचीले; (ख) नौकरी; (ग) मैली; (घ) कूल्हा; (ङ) खोपड़ी; (च) चिट्टी

8. (क) राजू के घर के पास एक अनाथ रहता है।

(ख) जमींदार बहुत लालची आदमी था।

(ग) जमींदार के सभी कार्य निष्फल हुए।

(घ) गरीबों व बड़ों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

(ङ) बच्चे विद्यालय में रोज प्रार्थना करते हैं।

9.

पुल्लिग	स्त्रीलिंग
जमींदार	विधवा
महाराज	पोती
पड़ोस	श्रीमती
वकील	झोंपड़ी
थैला	मिट्टी

10. (क) दूरदर्शी; (ख) जिज्ञासा; (ग) दयालु; (घ) न्यायप्रिय; (ङ) प्रेमी

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

आदर्श प्रश्न-पत्र-4

1. (क) iv; (ख) ii; (ग) ii

2. (क) गगन एक शरारती लड़का था।

(ख) कवि ने बादलों को किसानों का साथी कहा है क्योंकि बादल बारिश लाते हैं जिससे खेती अच्छी होती है। किसान बादलों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

(ग) लुईस ने अपने गधों पर किताबें लादीं। उसने उनकी पीठ पर किताबें रखने के लिए क्रेट बनाई और उस पर एक तख्ती-'गधे पर किताबघर' लिखकर टाँग दी।

(घ) जमींदार साहब को अपने महल का अहाता झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।

3. (क) विधवा बुढ़िया लाचार और बेसहारा थी।

(ख) जमींदार बहुत लालची आदमी था।

(ग) जमींदार के सभी कार्य निष्फल हुए।

4.

(क) उसने एक किताब रख ली।	जातिवाचक
(ख) उसका नाम था—लुईस।	व्यक्तिवाचक
(घ) उसे किताबों से बहुत प्यार था।	भाववाचक

5. (क) गगन, आकाश, नभ; (ख) कृषक, हलधर, भूमिहर; (ग) मेघ, घन, जलद

पाठ-17 नाटक में नाटक

खंड-अ

2. (क) iii; (ख) iii; (ग) i; (घ) iii; (ङ) ii

3. (क) इज़्ज़त; (ख) हिदायतें; (ग) लोट-पोट; (घ) परदा

4. (क) मोहन ने सोहन से; (ख) चित्रकार ने शायर से; (ग) राकेश ने चित्रकार से

5. (क) राकेश अभिनय नहीं कर पाया क्योंकि फुटबॉल खेलते समय वह अचानक गिर पड़ा और उसके हाथ में चोट लग गई थी। हाथ को एक पट्टी में लपेटकर गर्दन के सहारे लटकाए रखना पड़ता था।

(ख) राकेश को चोट फुटबॉल खेलते हुए लग गई थी।

(ग) नाटक में सब कुछ बेकार हुआ। सभी कलाकार अपने-अपने संवाद भूलकर एक-दूसरे से लड़ने लगे थे।

(घ) राकेश ने मंच पर आकर दर्शकों को यह दिखाया कि वे कलाकार नाटक न करके नाटक की रिहर्सल कर रहे थे।

(ङ) राकेश ने नाटक को 'बड़ा कलाकार' नाम दिया।

6. (क) राकेश ने बात सँभाली। — व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ख) दर्शक सब शांत थे। — जातिवाचक संज्ञा

(ग) दूसरे चाहे उसकी मूर्खता पर हँस रहे हों। — भाववाचक संज्ञा

(घ) चित्रकार कहता है कि उसकी कला महान है। — जातिवाचक संज्ञा

(ङ) मेरी शायरी गाजर-मूली है तो तेरी चित्रकला झाड़ू फेरना। — जातिवाचक संज्ञा

7. (क) दर्शक हँसी से लोट-पोट हो रहे थे।

(ख) राकेश ने सबकी इज़्ज़त बचाई।

(ग) राकेश की कलाकारी देखकर सभी लोग भौंचक्के रह गए।

(घ) यह मैदान सार्वजनिक है।

8. (क) पुराने; (ख) जवाब; (ग) श्वेत; (घ) धोखा; (ङ) अनावश्यक; (च) भारी

9. (क) मंच; (ख) अक्लमंदी; (ग) संभाल; (घ) संवाद; (ङ) शांत; (च) संगीतकार

10. ज — गाजर, बाजार, रोज

ज़ — इज़्ज़त, ज़ोर, नाज़

11. (क) हार का सामना करना।

विपक्षी टीम को हमारे सामने मुँह की खानी पड़ी।

(ख) हैरान होना।

कल के मैच में कप्तान का प्रदर्शन देख सब भौंचक्के रह गए।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-18 टिपटिपवा

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) ii; (ग) iii

3. (क) कहानियाँ; (ख) झोंपड़ी; (ग) संयोग; (घ) अचानक, घबरा; (ङ) बचानी, चुपचाप; (च) कचूमर

4.

एक दिन मूसलाधार	बैठ गया
पोता उठकर	बारिश हुई
बाघ दुम दबाकर	धोबी रहता था
गाँव में एक	बारिश
टिपटिपवा	भाग चला

5. (क) बुढ़िया — बुढ़िया अपने पोते से परेशान थी।

(ख) बाघ — बाघ टिटिपवा से परेशान था।

(ग) धोबी — धोबी भी गधा खोने से परेशान था।

(घ) पंडित — पंडित जी बारिश के जमा पानी से परेशान थे।

(ङ) गाँव — सारा गाँव बारिश से परेशान था।

6. (क) यदि धोबी रास्ते में ही बाघ को पहचान लेता तो वह डर जाता।

(ख) स्वंय कीजिए।

(ग) मूसलाधार बारिश से सभी के घरों में पानी भर जाता है। सभी काम रुक जाते हैं। बाहर जाने में कठिनाई होती है।

(घ) नहीं, पंडित जी के पोथी-पतरे में किसी समस्या का कोई समाधान नहीं होता।

7. (क) पोता रोज़ रात में सोने से पहले अपनी दादी से कहानी सुनने की जिद करता था।

(ख) बुढ़िया ने अपने पोते से खीझकर कहा, 'अरे बचवा, का कहानी सुनाएँ? ई टिपटिपवा से जान बचे तब ना'।

(ग) बाघ बारिश से बचने के लिए झोंपड़ी के पीछे बैठा था।

(घ) धोबी की पत्नी ने धोबी से कहा कि वह गधे के बारे में गाँव के पंडित जी से जाकर पूछे। वे बड़े ज्ञानी हैं। उन्हें आगे-पीछे सबकी खबर होती है।

(ङ) पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे।

(च) बाघ बुढ़िया की बातें सुनकर टिपटिपवा से डर गया था। जब धोबी ने उस पर हमला किया तो उसे लगा कि टिपटिपवा ने उस पर हमला कर दिया है और वह मार-मारकर उसकी जान ले लेगा। इस कारण धोबी को टिपटिपवा समझकर बाघ भीगी बिल्ली बनकर उसके पीछे-पीछे चल दिया।

(छ) सुबह जब गाँववालों ने धोबी के घर के बाहर खूँटे से एक बाघ को बँधे देखा तो उनकी आँखें खुली की खुली रह गईं।

8. (क) दिन; (ख) वियोग; (ग) शहर; (घ) अज्ञानी; (ङ) छोटा; (च) अंदर; (छ) आगे; (ज) पतला

9.

बुढ़ीया	(बुढ़िया)	बुड़िया
(झोंपड़ी)	झौंपड़ी	झोंपड़ि
बारीस	(बारिश)	बरिश

10. (क) कल रात मूसलाधार बारिश हुई।

(ख) सभी लोग राम के लौटने की खबर से बेखबर थे।

(ग) संयोग से कल मेरा मित्र मुझे मिल गया।

(घ) बारिश का पानी सभी के लिए मुसीबत बन जाता है।

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

पाठ-19 क्रिसमस और सांता क्लॉज की कहानी

खंड-अ

2. (क) ii; (ख) i; (ग) iii; (घ) iv; (ङ) i

3. (क) क्रिसमस; (ख) पशुशाला; (ग) लोकप्रिय; (घ) सोने

4. (क) ✗; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✓; (ङ) ✓

5.

क्रिसमस का त्योहार	हॉलैंड का निवासी
ईसा मसीह का जन्मस्थल	उपहार दिए जाते हैं
संत निकोलस	25 दिसंबर
क्रिसमस पर बच्चों को	येरुशलम

6. (क) ईसा मसीह के जन्म के समय आकाशवाणी हुई कि ''संसार का दु:ख दूर करने और सबको प्रेम का संदेश देने के लिए ईश्वर के पुत्र का जन्म हो चुका है।''

(ख) संत निकोलस चुपके-से गरीब परिवार के मकान की छत पर चढ़ गए और चिमनी से उन्होंने काफी सारे सोने के सिक्के गिरा दिए।

(ग) आज क्रिसमस उतना धार्मिक त्योहार नहीं रहा जितना सामाजिक उत्सव, जिसमें खाना-पीना, मौज-मस्ती और मिलना-जुलना आदि किया जाता है।

7. (क) आकर्षण; (ख) उपहार; (ग) आकाशवाणी; (घ) स्वाभिमान; (ङ) प्रशिक्षण; (च) हॉलैंड; (छ) प्रार्थना; (ज) ईश्वर

8. (क) जो बेहद अमीर थी।

(ख) घरों में अँधेरा किया जाता है।

(ग) तीनों बहनें बहुत सुखी रहती थीं।

(घ) इसे एक काल्पनिक व्यक्ति के जीवन की नकल पर बनाया गया है।

9. (क) उपहार, उपकार, उपहास; (ख) प्रकार, प्रहार, प्रदान

10. (क) कि; (ख) कि; (ग) की; (घ) की; (ङ) की

11. (क) बच्चियाँ; (ख) बारहसिंगे; (ग) सिक्के; (घ) बहनें; (ङ) चिमनियाँ; (च) तारे; (छ) भाषाएँ; (ज) मोज़े

खंड (ब)

स्वयं कीजिए।

श्रेणीगत मूल्यांकन-2

1. (क) iii; (ख) iii; (ग) iii; (घ) iii

2. (क) इज़्ज़त; (ख) अचानक, घबरा; (ग) क्रिसमस; (घ) सोने

3. (क) ✓; (ख) ✓; (ग) ✓; (घ) ✓

4. (क) जब से विधवा ने यह सुना कि जमींदार उसकी झोंपड़ी को गिराना चाहता है तब से विधवा मृतप्राय हो गई थी।

(ख) राकेश ने मंच पर आकर दर्शकों को यह दिखाया कि वे कलाकार नाटक न करके नाटक की रिहर्सल कर रहे थे।

(ग) पंडित जी घर में जमा बारिश का पानी उलीच-उलीचकर फेंक रहे थे।

(घ) संत निकोलस चुपके-से गरीब परिवार के मकान की छत पर चढ़ गए और चिमनी से उन्होंने काफी सारे सोने के सिक्के गिरा दिए।

5.

एक दिन मूसलाधार	बैठ गया
पोता उठकर	बारिश हुई
बाघ दुम दबाकर	धोबी रहता था
गाँव में एक	बारिश
टिपटिपवा	भाग चला

6.

बुढ़ीया	(बुढ़िया)	बुड़िया
(झोंपड़ी)	झौंपड़ी	झोंपड़ि
बारीस	(बारिश)	बरिश

7. (क) मंच; (ख) अक्लमंदी; (ग) संभाल; (घ) संवाद

8. (क) कि; (ख) कि; (ग) की; (घ) की; (ङ) की

9. (क) खोपड़ी; (ख) चिट्टी; (ग) कूल्हा; (घ) नौकरी

10. (क) श् + ई + त् + अ + ल + अ; (ख) स् + अं + द् + ऐ + श् + आ